सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 145, नई दिल्ली । सोमवार, 05 अगस्त 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

हिसाब किताब सिर्फ ऊपर वाले ने ही सही लगाया, सबको खाली हाथ भेजा और खाली हाथ बुलाया…

03 रिक्शे वाले ने जामा मस्जिद से लाल किले का किराया वसूला 6 हजार रूपये
06 जीवन में त्यौहारों का महत्व
08 51 कलश यात्रा के साथ ही शुरू हुई सात दिवशीय श्रीमद्भागवत कथा।

दिल्ली के उपराज्यपाल ही परिवहन विभाग को गैर तकनीकी बनवाने में लगे हैं, आखिर क्यों बड़ा सवाल ?

संजय बाटला

नई दिल्ली। तकनीकी अधिकारियों के बिना परिवहन विभाग अगर दुनिया में कहीं देखना है तो वह है दिल्ली परिवहन विभाग और बहुत बार मुद्दा उठाने के बाद भी जब विशेष परिवहन आयुक्त द्वारा तकनीकी पदो पर बेखौफ गैर तकनीकी अधिकारी को नियुक्त करते आ रहा है और तकनीकी अधिकारी को अपने पद के बल पर गैर तकनीकी पदो पर आसिन कर रहा है। शिकायतों के बाद भी ना तो परिवहन आयुक्त, ना मुख्य सचिव और ना ही उपराज्यपाल की तरफ़ से कोई प्रतिक्रिया या सवाल उठाया गया।

परिवहन विभाग से जानकारी प्राप्त के अनुसार पूर्व परिवहन आयुक्त के समय अंदाजन 2 साल पहले से एमवीआई की भर्ती प्रक्रिया के लिए डीएसएसबी को कई बार फाईल भेजी गई पर शायद एलजी/ सीएस के दबाव में डीएसएसबी ने भर्ती के लिए सूचना जारी नही की और प्राप्त सूचना के अनुसार पूर्व आयुक्त के समय पूर्व मुख्य सचिव ने 5 गैर तकनीकी अधिकारियों को तकनीकी पदो पर आसीन करने के लिए भेजा था जिसका विरोध टोलवा द्वारा करने के बाद और गैर तकनीकी अधिकारी तकनीकी पदो के लिए भेजने के लिए मना कर दिया पर साथ ही साथ तकनीकी अधिकारी परिवहन विभाग ना आ सके उसके लिए डीएसएसबी को भर्ती प्रक्रिया करने से मना कर दिया और उसी बात का फायदा उठा कर विशेष परिवहन आयुक्त शहजाद आलम द्वारा संख्यिकी अधिकारी तक को पूर्ण रूप से तकनीकी पद पर आसीन कर दिखाया और अपने पद के बल पर उसे तकनीकी पद के अधिकारी के आईटी शाखा से यूजर कोड तक दिलवा दिया। क्या सर्विस ब्रांच दिल्ली सरकार, एडमिन शाखा दिल्ली परिवहन विभाग और ऑपरेशन शाखा परिवहन विभाग यह बता सकते की किस आधार पर सख्यिकी अधिकारी को एमवीआई के पद पर आसीन किया गया और साथ ही यूजर कोड प्रदान किए गए।

दिल्ली की जनता की जानकारी हेतु बता दें की आज परिवहन विभाग दिल्ली जनता की सुरक्षा के प्रति नही दिल्ली सरकार के राजस्व इजाफे के लिए कार्यरत है। जिसके लिए हम पहले भी कई सबूत पेश कर चुके हैं और इस प्रकार ड्राइविंग टैस्ट सेंटर, व्यावसायिक गतिविधियों के वाहनों के पंजीकरण, परमिट शाखाओं के साथ डीटीओ कार्यालयों में जहा वाहनों की फिटनेस होती है उन सभी पदो पर जान बुझकर कर तकनीकी की जगह गैर तकनीकी जिसका कार्य लेखा जोखा इत्यादि है को आसिन कर रहा है और वह भी बेखौफ।

ऑटो, काली पीली टैक्सी, इकोनामिक रेडियो टैक्सी, ऑल इंडिया टूरिस्ट टैक्सी, के खत्म होते रोजगार को बचाने के लिए जंतर मंतर चलो

केंद्र एवं दिल्ली सरकार की गलत नीतियों व दिल्ली परिवहन विभाग के तानाशाही अधिकारियों के सौतेले रवैया अपनाए जाने के खिलाफ दिल्ली एनसीआर की तमाम यूनियन एवं एसोसिएशन के संयुक्त तौर पर दिनांक 5 अगस्त 2024 को दोपहर 1:00 बजे जंतर मंतर पर ऑटो-टैक्सी रोजगार बचाओ प्रदर्शन

निम्नलिखित मांगे ÷

1, ओला उबर रैपिडो मोबाइल ऐप बेस्ट जैसी अन्य कंपनियां के गैर-कानूनी कारोबार के नेटवर्क पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए।

2, गैर कनूनी मोबाइल ऐप ओला, उबर, रैपिडो के जरिए दिल्ली एनसीआर में सफेद नंबर वाली मोटरसाइकिलें व स्कूटीयों, पोर्टर डिलीवरी से सवारियों को गैरकानूनी ढंग से ढोने पर प्रतिबंध लगाया जाए।

3,अवैध तौर पर चल रहे जुगाड़, असेंबल किए हुए तथा बिना नंबर ई रिक्शाओं एवं पंजीकृत ई रिक्शाओं बिना लाइसेंस फिटनेस इंश्योरेंस बिना किसी डर खौंफ के व हाईकोर्ट के आदेशानुसार दिल्ली की236 सड़कों पर प्रतिबंध होने के बावजूद दिल्ली की सड़कों पर धड़ल्ले से चल रहे हैं। इस पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाए।

4,दिल्ली के महामहिम उप राज्यपाल एवं दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री श्री कैलाश गहलोत जी से संगठन कहना चाहता है कि दिल्ली के तानाशाही हिटलर परिवहन विभाग के आला अधिकारियों के उल्टे सीधे गलत आदेशों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए तथा परिवहन आयुक्त प्रशांत गोयल एवं विशेष आयुक्त शहजाद आलम को तत्काल प्रभाव से विभाग से हटाया जाए। ऑटो टैक्सी यूनिट में तैनात भ्रष्टाचारी mvi योगेश कुमार व भ्रष्टाचारी फर्जी डिग्री वाले एमवीआई अंस्सो वाजपेई को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। जिससे कि दिल्ली के चालकों को राहत मिल सके।

धन्यवाद

भारतीय चालक एकता संघ (अध्यक्ष)
सर्व समाज सेवा ट्रस्ट (नेशनल इनचार्ज)
ABTA (नेशनल इनचार्ज ड्राइवर विंग)
स० तजिंदर सिंह जी

चक्का जाम में शामिल यूनियंस , एसोसिएशन एवं ट्रस्ट

1,ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस यूनियन/
2,ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस प्रकोष्ठ दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी
3,ऑटो टैक्सी चालक सेना यूनियन(उद्धव ठाकरे गुट,)
4,भारतीय तिपहिया चालक संघ
5, दिल्ली पब्लिक ट्रांसपोर्ट यूनियन (सीटू)
6, दिल्ली ऑटो तिपहिया ड्राइवर यूनियन
7, दिल्ली टैक्सी टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एंड टूर ऑपरेटर एसोसिएशन
8, पब्लिक ऑटो टैक्सी वेलफेयर एसोसिएशन(पटवा)
9, राजधानी टूरिस्ट ड्राइवर यूनियन
10, भारतीय चालक एकता संघ
11, प्रयत्नशील ड्राइवर सेवा समिति
12, सर्वोदय टैक्सी ड्राइवर संगठन
13, आम आदमी पार्टी ऑटो बिंग दिल्ली प्रदेश
14, भारतीय चालक सेना
15 ड्राइवर सेवा ट्रस्ट
16 अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोशिएशन (ABTA)

6 तारीख से भुवनेश्वर में ऑटो बंद

मनोरंजन सासमल , स्टेटे हेड उडीशा

भुवनेश्वर : ओडिशा परिवहन विभाग को विभिन्न समस्याओं और मांगों के बारे में बताया गया है, लेकिन कुछ हासिल नहीं हुआ है। बार-बार मांग और आंदोलन के बावजूद मांगें पूरी नहीं होने पर स्मार्टसिटी ऑनलाइन ऑटो ग्रुप ने आखिरकार बड़े आंदोलन का आह्वान किया है। ग्रुप की ओर से जानकारी दी गई है कि 6 तारीख से भुवनेश्वर में ऑटो ट्रैफिक अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया जाएगा ।ग्रुप के चेयरमैन दीनबंधु नायक के मुताबिक, प्राइवेट नंबर प्लेट वाले ओला, रैपिडो और उबर के दोपहिया वाहन चल रहे हैं। हालाँकि, इन वाहनों की बड़ी संख्या के कारण आम ऑटो चालकों की आय गंभीर रूप से प्रभावित होती है। ऐसे में उन्हें अपने परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो रहा है। नायक ने कहा कि परिवहन विभाग को ऐसे कदम उठाने के लिए बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई असर नहीं हुआ और संघ ने अनिश्चित काल के लिए आंदोलन बंद करने का फैसला किया ।

दिल्ली में 8,280 इलेक्ट्रिक बसें अगले साल सड़कों पर उतरेंगी, ट्रांसपोर्ट सिस्टम के साथ पर्यावरण भी होगा दुरुस्त

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। इसे देखते हुए दिल्ली सरकार हर स्तर पर कदम उठा रही है। अन्य प्रयासों के साथ ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसों को भी सड़कों पर उतार देने की दिल्ली सरकार की योजना है। अगर वर्तमान की भी बात करें तो दिल्ली देश का एकमात्र शहर है जिसके पास कुल बसों में 25 प्रतिशत बसें इलेक्ट्रिक हैं।

नई दिल्ली। प्रदूषण पर वार के लिए दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से बड़ा प्रयास शुरू किया है। सरकार दिसंबर 2025 तक सालाना 467,000 टन कार्बन डाईऑक्साइड (CO_2) उत्पन्न होने से रोकेगी। इसके लिए दिल्ली में 8,280 इलेक्ट्रिक बसें अगले साल सड़कों पर उतार दी जाएंगी। अगर हम प्राकृतिक तरीके से इतनी कार्बन डाइऑक्साइड कम करने की बात करें तो इसके लिए एक करोड़ 87 लाख पेड़ लगाने पड़ेंगे।

इस लक्ष्य के साथ दिल्ली इलेक्ट्रिक बसों के सबसे बड़े बेड़ा वाला दुनिया का पहला शहर भी बन जाएगी। अभी चिली के सैंटियागो शहर के पास दुनिया भर में सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा है। उसके पास 2,267 इलेक्ट्रिक बसें है, जबकि दिल्ली के पास 1,970 इलेक्ट्रिक बसें हैं।

दिल्ली में प्रदूषण एक बड़ी समस्या

दिल्ली में प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। इसे देखते हुए दिल्ली सरकार हर स्तर पर कदम उठा रही है। अन्य प्रयासों के साथ ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसों को भी सड़कों पर उतार देने की दिल्ली सरकार की योजना है। अगर वर्तमान की भी बात करें तो दिल्ली देश का एकमात्र शहर है, जिसके पास कुल बसों में 25 प्रतिशत बसें इलेक्ट्रिक हैं।

जनवरी 2022 से अब तक दिल्ली में तेजी से बसें आई हैं। इस दौरान 1970 बसें सड़कों पर उतारी गई हैं। इन बसों ने सामूहिक रूप से 112 मिलियन किलोमीटर से अधिक की यात्रा की है, जिससे 91,000 टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड रिलीज नहीं हो पाई। सरकार का प्रयास रहा है कि डीटीसी के साथ साथ डिम्ट्स के बेड़े में भी बसें तेजी से आ सकें। इस प्रयास का असर भी दिखाई दिया है। इसके साथ ही आने वाली बसों को देखते हुए दिल्ली सरकार ने बस डिपो को इलेक्ट्रिक बसों में बदलने का काम तेज कर दिया है।

जनवरी 2022 से इस तरह सरकार के बेड़े में शामिल हुईं ई बसें

2022 में शामिल हुईं बसें

17 जनवरी डीटीसी बेड़े में एक ई-बस
दो मार्च दो डीटीसी के बेड़े में नई ई-बसें
24 जून को डीटीसी बेड़े में 150 ई-बसें
24 अगस्त डीटीसी बेड़े में 97 ई-बसें

2023 में शामिल हुईं बसें

दो जनवरी को डीटीसी बेड़े में 50 इलेक्ट्रिक बसें
एक मई को डीएमआरसी बसों का अधिग्रहण करके डिम्ट्स बेड़े में 100 बसें
पांच सितंबर को डीटीसी बेड़े में 400 ई-बसें
14 दिसंबर को डीटीसी बेड़े में 500 ई-बसें

2024 में शामिल हुईं बसें

-14 फरवरी डिम्ट्स बेड़े में 300 इलेक्ट्रिक बसें
-14 फरवरी को डीटीसी बेड़े में 50 बसें
-30 जुलाई डीटीसी बेड़े में 320 इलेक्ट्रिक बसें

आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं बसें

सुलभ- दिव्यांग यात्रियों के लिए पूरी तरह से सुलभ, एसी लो-फ्लोर बसें

किफायती- महिलाओं के लिए निःशुल्क टिकट

प्रदूषणरहित- कोई धुआं नहीं, कोई शोर नहीं

स्मार्ट- डिजिटल टिकटिंग का प्रविधान

सुरक्षित- जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन और हूटर से लैस

दिल्ली सरकार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की परिकल्पना के अनुसार दिल्ली को दुनिया की ईवी राजधानी बनाने के लिए काम कर रही है। दिल्ली इस लक्ष्य के करीब पहुंच रही है। सरकार का प्रयास दिल्ली को सस्ती और प्रदूषण रहित परिवहन सेवा देना है। ईवी के क्षेत्र में दिल्ली में एक क्रांति आ रही है। अगले साल दिसंबर तक कुल 10,480 बसें चलाने का लक्ष्य है, जिसमें 80% (8,280 बसें) इलेक्ट्रिक होंगी। ये बसें अगले साल से सालाना इतनी कार्बन डाईऑक्साइड बनने से बचत कर सकेंगी जितनी एक करोड़ 87 लाख पेड़ लगाकर बचाई जा सकेगी।अगले साल तक हमारा लक्ष्य दिल्ली को दुनिया का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक बस बेड़ा वाला शहर बनाने का भी है।

-कैलाश गहलोत, परिवहन मंत्री, दिल्ली सरकार

डॉ. लॉजिस्टिक्सः सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देना - लॉजिस्टिक्स उद्योग के बेहतर भविष्य के लिए

डॉ. लॉजिस्टिक्स

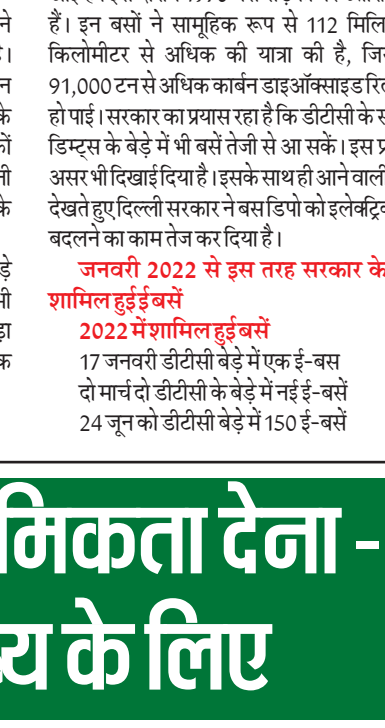

सड़क सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स उद्योग के बीच एक गहरा संबंध है। सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली क्षति न केवल मानव जीवन के लिए हानिकारक होती है, बल्कि यह लॉजिस्टिक्स उद्योग पर भी भारी वित्तीय प्रभाव डालती है। यह आवश्यक है कि हम सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें ताकि लॉजिस्टिक्स उद्योग की भविष्य की संभावनाओं को मजबूत किया जा सके।

सबसे पहले, सड़क सुरक्षा के लिए सख्त नियमों का पालन आवश्यक है। वाहनों की नियमित जांच, सही लोडिंग और अनलोडिंग प्रक्रियाएं, और ड्राइवरों की प्रशिक्षण से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि लॉजिस्टिक्स संचालन सुरक्षित और कुशल हों। इसके अलावा, टेक्नोलॉजी का उपयोग भी सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। GPS ट्रैकिंग, ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम और ऑटोमैटिक ब्रेकिंग सिस्टम जैसी तकनीकें सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में सहायक हो सकती हैं।

लॉजिस्टिक्स कंपनियों को भी अपने ड्राइवरों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। थकान और अत्यधिक काम के बोझ के कारण दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए, नियमित अंतराल पर ड्राइवरों को विश्राम देने और उनके स्वास्थ्य की जांच करने से सड़क सुरक्षा में सुधार हो सकता है।

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सरकारी और निजी संगठनों को मिलकर काम करना चाहिए। सड़क सुरक्षा अभियानों, सेमिनारों और कार्यशालाओं के माध्यम से ड्राइवरों और आम जनता को शिक्षित करना आवश्यक है। इसके साथ ही, ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए सख्त दंड व्यवस्था भी लागू की जानी चाहिए।

इस प्रकार, सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देकर, हम न केवल मानवीय जीवन की सुरक्षा कर सकते हैं, बल्कि लॉजिस्टिक्स उद्योग को भी सुरक्षित और प्रभावी बना सकते हैं। यह समय है कि हम सड़क सुरक्षा को गंभीरता से लें और लॉजिस्टिक्स के बेहतर भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं।

drlogistics.ankur@gmail.com

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

हर सोमवार को करें श्री शिवरामाष्टकस्तोत्र का पाठ, प्राप्त होगी महादेव की कृपा

भगवान शिव को जगत का संहारक माना जाता है। लेकिन भगवान शिव को भोलेनाथ भी कहा जाता है, क्योंकि इनकी पूजा में अधिक भक्तों को अधिक विधि-विधान की जरूरत नहीं होती है। भगवान शिव सिर्फ एक लोटा जल अर्पित करने से ही अपने भक्तों से प्रसन्न हो जाते हैं। सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है। भगवान शिव की कृपा पाने के लिए भक्त सोमवार के दिन विधि-विधान से महादेव की पूजा करते हैं।

बता दें कि भगवान शंकर के आराध्य जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु हैं। वहीं भगवान विष्णु के मानव अवतार श्रीराम हैं। इसलिए भगवान शिव को श्री शिवरामाष्टकस्तोत्रम् अति प्रिय हैं। मान्यता के अनुसार, जो भी जातक हर सोमवार को श्री शिवरामाष्टकस्तोत्रम् का पाठ करता है, उसको भगवान शिव की कृपा व आशीर्वाद प्राप्त होता है।

श्री शिवरामाष्टकस्तोत्रम् के पाठ से व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो जाता है और उसे जीवन में सुख-शांति व समृद्धि मिलती है। ऐसा जातक हर दुख और संकट से मुक्ति पाता है। इसके साथ ही व्यक्ति को दैविक, भौतिक और दैहिक तापों से मुक्त हो जाता है।

श्री शिवरामाष्टक स्तोत्रम्

शिवहरे शिवराम सखे प्रभो,त्रिविधताप-निवारण हे विभो।
अज जनेश्वर यादव पाहि मां,शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥1॥
कमल लोचन राम दयानिधे,हर गुरो गजरक्षक गोपते।
शिवतनो भव शङ्कर पाहिमां,शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥2॥
स्वजनरञ्जन मङ्गलमन्दिर,भजति तं पुरुषं परं पदम्।
भवति तस्य सुखं परमाद्भुतं,शिवहरे विजयं कुरू मे वरम्॥3॥
जय युधिष्ठिर-वल्लभ भूपते,जय जयार्जित-पुण्यपयोनिधे।
जय कृपामय कृष्ण नमोऽस्तुते,शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥4॥
भवविमोचन माधव मापते,सुकवि-मानस हंस शिवारते।
जनक जारत माधव रक्षमां,शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥5॥
अवनि-मण्डल-मङ्गल मापते,जलद सुन्दर राम रमापते।
निगम-कीर्ति-गुणार्णव गोपते,शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥6॥
पतित-पावन-नाममयी लता,तव यशो विमलं परिगीयते।
तदपि माधव मां किमुपेक्षसे,शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥7॥
अमर तापर देव रमापते,विनयतस्तव नाम धनोपमम्।
मयि कथं करुणार्णव जायते,शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥8॥
हनुमतः प्रिय चाप कर प्रभो,सुरसरिद्-धृतशेखर हे गुरो।
मम विभो किमु विस्मरणं कृतं,शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥9॥
नर हरेति परम् जन सुन्दरं,पठति यः शिवरामकृतस्तवम्।
विशति राम-रमा चरणाम्बुजे,शिव हरे विजयं कुरू मे वरम्॥10॥
प्रातरूत्थाय यो भक्त्या पठदेकाग्रमानसः।
विजयो जायते तस्य विष्णु सान्निध्यमाप्नुयात्॥11॥
॥ इति श्रीरामानन्दस्वामिना विरचितं श्रीशिवरामाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

सावन के तीसरे सोमवार का शुभ मुहूर्त, जानें पूजा-विधि, उपाय, मंत्र और शिवजी भोग कैसे लगाएं?

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस माह को विशेष तौर पर पवित्र और शुभ माना जाता है। सावन सोमवार के दिन शिव का आराधना करने का विशेष महत्व होता है। 5 अगस्त 2024 यानी कल सावन के तीसरे सोमवार का व्रत रखा जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन सोमवार का व्रत रखने से जातको की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। इस साल सावन का महीना 19 अगस्त तक चलने वाला है। आइए जानते हैं सावन के तीसरे सोमवार का शुभ मुहूर्त और पूजा-विधि, उपाय, और रुद्राभिषेक विधि।

सावन सोमवार की पूजा विधि

- सबसे पहले सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। इसके बाद शिव परिवार समेत सभी देवी-देवताओं की पूजा करें।
- अगर व्रत रखना है तो हाथ में पवित्र जल, फूल और अक्षत लेकर व्रत का संकल्प जरुर लें।
- इसके बाद घर के मंदिर में दीपक जलाएं। फिर शिव मंदिर या घर में भगवान शिव का अभिषेक करें। इसके साथ ही शिव परिवार की विधिवत पूजा करें। फिर आप शिव चालीसा को जरुर पढ़ें।
- घी का दीपक से पूरी श्रद्धा के साथ भगवान शिव जी की आरती करें।
- भोग लगाए और ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। आखिरी में क्षमा प्रार्थना भी करें।

इन मंत्रों का जाप करें

ॐ नमः शिवाय, श्री शिवाय नमस्तुभ्यं, ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्।।

भोग लगाएं

मखाना, दूध की बर्फी, बेर का फल, मिश्री, सफेद मिठाई, बादाम या मखाने की खीर, पंचामृत।

सावन के तीसरे सोमवार का उपाय

सावन के तीसरे सोमवार के दिन किसी गरीब या जरुरतमंद व्यक्ति को दूध, दही, चावल, चीनी व दक्षिणा दान करने से धन की प्राप्ति सुख शांति के साथ भगवान भोलेनाथ की विशेष कृपा प्राप्त होती है। आप ब्राह्मणों और गरीब को भोजन करा सकते हैं।

लौंग वाला दूध पीने शरीर को मिलते हैं गजब के फायदे, बढ़ जाएगी आपकी भूख

बादाम , हल्दी या इलायची वाला दूध तो सभी ने पिया होगा, लेकिन क्या कभी लौंग वाला दूध पीया है? लौंग का दूध पीने से शरीर को मिलते हैं कई फायदें।

वैसे तो लौंग का सेवन करने से कई फायदे मिलते हैं, क्योंकि इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे पोटेशियम, प्रोटीन, फाइबर, जिंक, फोलेट और विटामिन के। लौंग एक मसाला है जो हर किचन में हमेशा मौजूद रहता है। बता दें कि, लौंग की तासीर गर्म होती है। यह सर्दी, जुकाम की समस्या को दूर करता है और इम्यूनिटी को भी मजबूत करता है। हम सभी ने इलायची वाला दूध तो काफी पिया होगा लेकिन क्या कभी लौंग वाला दूध पीया है? अगर नहीं तो आइए जानते हैं इसके फायदे।

पोषक तत्वों से भरपूर

दूध के पोषक तत्व की बात करें तो इसमें फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, विटामिन ए, डी, के, ई आदि मौजूद होते हैं। वहीं, लौंग में कार्बोहाइड्रेट, आयरन, सोडियम की खूब मात्रा होती है। लौंग के दूध से होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।

कब्ज में राहत मिलती

जिन लोगों की कब्ज की समस्या होती हैं उनके लिए लौंग वाला दूध बेहतर विकल्प हो सकता है। आप रात को सोने से पहले लौंग वाला दूध पिएं। एसिडिटी और कब्ज की समस्या दूर होगी।

एनर्जी बूस्ट होगी

अगर आप लौंग वाला दूध पीते हैं तो आपके शरीर में अद्भुत ऊर्जा का एहसास होगा। इससे शरीर में मौजूद जहरीले तत्व बाहर निकल जाते हैं। दूध में काफी पोषण तत्व पाए जाते हैं, जिससे शरीर को भरपूर एनर्जी मिलती है।

गले के लिए फायदेमंद

लौंग वाल दूध पीने से गला ठीक रहता है। इससे गले होने वाली खराश और कफ की समस्या से बचा जा सकता है।

दांतों के लिए फायदेमंद

ओरल हेल्थ के लिए लौंग वाला दूध पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे मुंह की बदबू दूर होती है। दूध में कैल्शियम होता है, जो दांतों को मजबूत बनाता है।

भूख बढ़ती है

अगर आपको भूख नहीं लगती तो यह नुस्खा आपके लिए है। लौंग वाले दूध का सेवन करने से व्यक्ति की भूख काफी बढ़ जाती है। लौंग में विटामिन के साथ ही जिंक, कॉपर, मैग्निशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। ये जरुरी तत्व भूख बढ़ाने में मदद करता है।

36 कमर होगी 26 की, बस इस जादुई ड्रिंक का सेवन करें, कैसे बनाएं

एक बार मोटापा बढ़ जाए तो इसे कम करना बेहद मुश्किल होता है। मोटापे की वजह से कई खतरनाक बीमारियां होने लगती है। आजकल की खराब जीवनशैली के चलते लोगों में बढ़ता हुआ वजन आम हो चुका है। अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं तो इस मेजिकल ड्रिंक का सेवन करने से आपको 1 हफ्ते में फर्क दिखाई देगा। इस ड्रिंक की रेसिपी फेमस न्यूट्रिशन अनीषा ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री

- 10-15 पुदीना के पत्ते
- 4 इलायची
- 1 चम्मच सौंफ

वेट लॉस ड्रिंक बनाने का तरीका

- सबसे पहले एक बड़ा बर्तन लें। इसके बाद उसमें 2 कप पानी डालें।
- उस पानी को उबालने के लिए रख दें।
- इसमें आप 10-15 पुदीना के पत्ते डालें। इसके बाद 4 हरी इलायची डाल दें।
- अब इस पानी में 1 चम्मच भर के सौंफ डाल दें। फिर इस मिश्रण को 10-15 मिनट तक उबालें। जब यह ड्रिंक थोड़ी ठंडी हो जाएं इसे छानकर पी लें।
- सबसे बेस्ट तरीका है इसे आप खाली पेट पी सकते हैं। इस ड्रिंक को 1 महीन तक पीने के बाद आपको जबरदस्त फायदा दिखेगा। इसके साथ ही आपको एक्सरसाइज भी जरुर करनी चाहिए।

कब है सिंह संक्रांति? जानें समय और इस दिन करें ये उपाय

सिंह संक्रांति प्रीति योग और पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में होगी।

सिंह संक्रांति तब होती है जब सूर्य सिंह राशि में प्रवेश करता है। सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करने से ब्रह्मांडीय ऊर्जा और प्रभाव उत्पन्न होते हैं। अब 16 अगस्त 2024 को सिंह संक्रांति होगी, इस दौरान पवित्र नदी में स्नान करने और दान-पुण्य करने की मान्यता है। ज्योतिष के अनुसार, 16 अगस्त शुक्रवार को शाम 7:54 बजे सूर्य कर्क राशि से सिंह राशि में प्रवेश करेगा, जो सिंह संक्रांति का प्रतीक होगा। जानकारों के अनुसार ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान सूर्य सफेद वस्त्र पहनकर सिंह पर सवार होते हैं और पूर्व दिशा की ओर बढ़ते हैं। इस दिन उन्हें अन्न, इत्र, नागकेसर के फूल और पायल जैसे आभूषण चढ़ाने चाहिए।

सिंह संक्रांति का शुभ मुहूर्त

सिंह संक्रांति प्रीति योग और पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में होगी। प्रीति योग दोपहर 01:12 बजे और पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र दोपहर 12:44 बजे शुरू होगा। 16 अगस्त को सिंह संक्रांति का पुण्यकाल 6 घंटे 34 मिनट तक रहेगा। पुण्यकाल दोपहर 12:25 बजे शुरू होगा और शाम 6:59 बजे तक रहेगा। इस बीच महापुण्य काल का समय 02 घंटे 11 मिनट तक रहेगा।समय है शाम 04:48 बजे से शाम 06:59 बजे तक।

सिंह संक्रांति पर करें ये उपाय

ज्योतिष के मुताबि, सिंह संक्रांति के अवसर पर स्नान करने और फिर दान-पुण्य के कार्य करने चाहिए। दान- पुण्य के कार्य महा पुण्य काल के दौरान किया जाना चाहिए। भक्तों को स्नान करने के बाद साफ कपड़े पहनने चाहिए और फिर सूर्य देव की पूजा करनी चाहिए। फिर उन्हें अपने मृत पूर्वजों को जल अर्पित करना चाहिए क्योंकि इससे वे प्रसन्न होंगे और अपना आशीर्वाद प्रदान करेंगे। इसके बाद अपनी क्षमता के अनुसार भोजन, वस्त्र, फल या अन्य भोजन और आवश्यक वस्तुओं का दान करना चाहिए। यदि कोई सूर्य देव को प्रसन्न करना चाहता है और संक्रांति के शुभ प्रभाव को बढ़ाना चाहता है, तो उसे गेहूं, लाल कपड़े, लाल चंदन, तांबा, गुड़ और घी आदि का दान करना चाहिए।

अपनी स्किन टाइप के अनुसार लगाएं नारियल मलाई फेस मास्क, मिलेगी दमकती स्किन

दमकती स्किन पाने की चाहत तो हम सभी की होती है और इसके लिए हम कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल भी करते हैं। जबकि स्किन की केयर करने के लिए नेचुरल इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। इन्हीं में से एक है नारियल की मलाई। अक्सर लोग नारियल की मलाई को यूं ही बाहर कर देते हैं, जबकि यह आपकी स्किन के लिए वरदान है। इससे ना केवल स्किन को हाइड्रेशन मिलता है, बल्कि आपकी स्किन भी ग्लोइंग बनती है। अगर आप चाहें तो अपनी स्किन टाइप को ध्यान में रखते हुए नारियल की मलाई से फेस मास्क बनाकर अपनी स्किन को पैम्पर कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको स्किन टाइप के अनुसार नारियल मलाई के फेस पैक के बारे में बता रहे हैं-

रूखी स्किन के लिए नारियल मलाई फेस मास्क

रूखी स्किन के लिए नारियल मलाई और शहद का मास्क बनाया जा सकता है। यह आपकी स्किन को गहराई से मॉइश्चराइज़ करता है और प्राकृतिक चमक प्रदान करता है।

आवश्यक सामग्री-

2 बड़े चम्मच नारियल मलाई
1 बड़ा चम्मच शहद

मास्क बनाने का तरीका-

- सबसे पहले एक बाउल में नारियल मलाई और शहद को मिलाकर चिकना पेस्ट बना लें।
- अब इसे चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें।
- अंत में, गुनगुने पानी से धो लें।

ऑयली स्किन के लिए नारियल मलाई फेस मास्क

ऑयली स्किन के लिए नारियल मलाई और हल्दी से मास्क बनाकर लगाएं। यह मास्क अतिरिक्त तेल उत्पादन को संतुलित करता है, मुंहासे कम करता है और त्वचा को चमकदार बनाता है।

आवश्यक सामग्री-

- 2 बड़े चम्मच नारियल मलाई
- 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर
- चम्मच नींबू का रस

सावन में भगवान शिव के इस रहस्यमई मंदिर के करें दर्शन, यहां मुर्दे भी हो जाते हैं जिंदा

अनन्या मिश्रा

देहरादून से करीबन 128 किमी दूर पर स्थित लाखामंडल जगह पर भोलेनाथ का यह मंदिर स्थित है।

सावन का महीना चल रहा है और यह महीना शिव भक्तों के लिए काफी खास है। बता दें कि इस साल सावन महीने में 75 साल बाद दुर्लभ संयोग बन रहा है। दरअसल, इस बार सावन महीने की शुरूआत सोमवार के दिन से हुआ है और इसकी समाप्ति भी सोमवार के दिन होगी। इस बार सावन महीने में पांच सोमवार के व्रत किए जाएंगे। सावन का महीना दिव्य ऊर्जा से जुड़ने के लिए बेहद अनुकूल माना जाता है।

इस महीने शिव भक्त महादेव की विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसे शिव मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो कई रहस्यों और चमत्कारों से भरा पड़ा है। हम आपको उत्तराखंड के लाखामंडल शिव मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर मुर्दे भी जिंदा हो जाते हैं। आइए जानते हैं उत्तराखंड के अनोखे शिव मंदिर के बारे में...

भगवान शिव का अनोखा मंदिर

बता दें कि देहरादून से करीबन 128 किमी दूर पर स्थित लाखामंडल जगह पर भोलेनाथ का यह मंदिर स्थित है। यमुना नदी के तट पर बनींगाड़ नामक जगह से कुछ दूरी पर स्थित यह मंदिर है। इस मंदिर में शिवलिंग स्वयंभू है। मान्यता है कि इस शिवलिंग में पूरा संसार दिखाई दे जाता है। सावन के महीने में यहां पर शिव भक्तों की भारी भीड़ लगती है। इस मंदिर में एक अलग नजारा देखने को मिलता है। यह जगह गुफाओं और भगवान शंकर के प्राचीन अवशेषों से घिरा हुआ है। माना जाता है कि इस मंदिर में प्रार्थना करने से जातक को पापों से मुक्ति मिल जाती है।

मंदिर के पास लक्षागृह गुफा

महादेव का यह नागर शैली का मंदिर करीब 12-13वीं शताब्दी में बनाया गया था। बताया जाता है कि इस जगह पर खुदाई के समय विभिन्न आकार और विभिन्न ऐतिहासिक काल के कई शिवलिंग मिले हैं। जिस कारण इस शिव मंदिर को आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया - ASI की निगरानी में रखा गया है। बता दें कि परिस्थितियों के अनुसार कभी-कभी इस स्थान को खाली भी करवाया जाता है। इस मंदिर से कुछ ही दूरी पर लाक्षागृह गुफा है। यहां पर शेषनाग के फन के नीचे विराजमान शिवलिंग पर पानी टपकता रहता है।

दुर्योधन ने कराया था लाक्षागृह का निर्माण

महाभारत काल में कौरवों ने पांडवों को जलाकर मारने के लिए यहां लाक्षागृह का निर्माण किया था। लेकिन कौरवों के षड़यंत्र से बचकर निकलने में पांडव कामयाब हो गए थे। जिसके बाद अज्ञातवास के दौरान युधिष्ठिर ने यहां पर शिवलिंग की स्थापना की थी। इस मंदिर में आप आज भी इस शिवलिंग को देख सकते हैं। एक मान्यता के अनुसार, यूपी में लाक्षागृह बताया जाता है। वहीं एक अन्य कथा के मुताबिक महाभारत का युद्ध खत्म होने के बाद जब पांडव हिमालय गए तो उन्होंने इस मंदिर का निर्माण करवाया था। इस दौरान पांडवों ने एक लाख शिवलिंग की स्थापना की थी। जिसके कारण इस मंदिर का नाम लाखामंडल रखा गया था।

मंदिर के गर्भगृह में हैं इन देवी-देवताओं की मूर्ति

बता दें कि लाखामंडल शिव मंदिर केदारनाथ मंदिर की शैली की तरह निर्मित है। इस मंदिर के गर्भगृह में भगवान शंकर, मां पार्वती, कार्तिकेय, काल भैरव, गणेश, सरस्वती, दुर्गा, विष्णु, सूर्य और हनुमानजी की मूर्तियां स्थापित हैं। इस मंदिर का संबंध द्वापर और त्रेता युग से भी है। बताया जाता है कि मंदिर के गर्भगृह में मां पार्वती के पैरों के निशान बताए जाते हैं। इस मंदिर का मुख्य आकर्षण ग्रेफाइट लिंगम है। यह गीला होने पर चमकता है और अपने परिवेश को प्रतिबिंबित करता है।

शिवलिंग के सामने हैं द्वारपाल

इस मंदिर में शिवलिंग के सामने दो द्वारपालों की मूर्तियां दिखाई देगीं। यह मूर्तियां पश्चिम दिशा की ओर मुंह करके खड़े हैं। मान्यता के अनुसार, अगर इन दोनों द्वारपालों के सामने शव को रख दिया जाए और पंडित उस शव पर पवित्र जल छिड़क दे, तो मृत व्यक्ति कुछ समय के लिए फिर से जीवित हो सकता है। मान्यता के अनुसार, मृत व्यक्ति जीवित होने के बाद भगवान का नाम लेता है और पवित्र जल को लेने के बाद आत्मा फिर से शरीर छोड़कर चली जाती है।

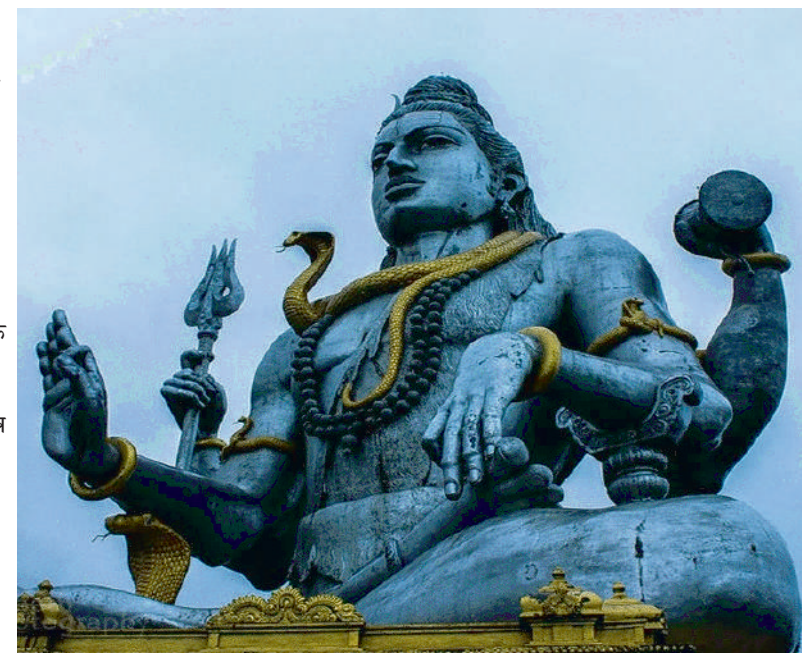

'डॉक्टरों की भर्ती के लिए एलजी को कई बार लिखा, लेकिन कोई जवाब नहीं', स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज का आरोप

सौरभ भारद्वाज ने कहा मैंने उन्हें कई बार लिखा है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मैं पिछले साल मार्च में स्वास्थ्य मंत्री के रूप में शामिल हुआ था और डॉक्टरों की 292 रिक्तियों और विशेषज्ञों की 234 रिक्तियों को भरने के लिए अप्रैल में उन्हें लिखा था। मैंने सुझाव दिया था कि भर्ती के बाद से यूपीएससी में समय लग रहा है।

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने रविवार को आरोप लगाया कि उन्होंने सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी के बारे में उपराज्यपाल वी के सक्सेना को कई बार पत्र लिखा है, लेकिन उनके पत्रों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस आरोप पर उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारद्वाज ने कहा कि डॉक्टरों और तकनीशियनों की भर्ती एलजी के अधिकार क्षेत्र में आती है। उन्होंने कहा, ₹मैंने उन्हें कई बार लिखा है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मैं पिछले साल मार्च में स्वास्थ्य मंत्री के रूप में शामिल हुआ था और डॉक्टरों की 292 रिक्तियों और विशेषज्ञों की 234 रिक्तियों को भरने के लिए अप्रैल में उन्हें लिखा था। मैंने सुझाव दिया था कि भर्ती के बाद से यूपीएससी में समय लग रहा है। डॉक्टरों को अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया जा सकता है।"

अनुंबध के आधार पर भर्ती का किया अनुरोधः भारद्वाज

मंत्री ने कहा कि उन्होंने इस साल 26 जुलाई को उपराज्यपाल से डॉक्टरों, विशेषज्ञों और पैरामेडिक्स को अनुबंध के आधार पर भर्ती करने का फिर से अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने भी सेवा विभाग को अनुबंध पर डॉक्टरों को नियुक्त करने का निर्देश दिया था, लेकिन कोई नियुक्ति नहीं की गई है।

मोदी सरकार की वक्फ बोर्ड के पर कतरने की तैयारी

परिवहन विशेष न्यूज

परिवहन विशेष। एसडी सेठी। केंद्र की मोदी सरकार जल्द ही संसद में एक विधेयक पेश करने जा रही है।इस विधेयक का मकसद वक्फ अधिनियम में अहम संशोधन करना है।सूत्रो की मानें तो विधेयक में किसी भी जमीन को अपनी सम्पत्ति घोषित करने में वक्फ बोर्ड की व्यापक शक्तियों को सीमित करने का प्रयास किया गया है। लिहाजा इस बिल के पास होने का दावा नहीं कर पाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को इस विधेयक को मंजूरी दे दी।मौजूदा अधिनियम में लगभग 40 संशोधन का प्रभाव इस विधेयक में किया है। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करना और उनकी संरचना में बदलाव करना है।विधेयक में इस बात को सुनिश्चित किया गया है कि वक्फ संपत्ति घोषित किए जाने से पहले भूमि सत्यापन किया जाए। इसके अतिरिक्त इस वक्फ कानून के कुछ प्रावधान को निरस्त किए जाने का भी प्रावधान है। सरकार जो विधेयक लाने जा रही है उसमें वक्फ अधिनियम की धारा 9 और 14 में संशोधन शामिल है।ये संशोधन केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड की संरचना में बदलाव लाएगें। जिसमें इन निकायो में महिलाओ का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा।साथ ही राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा जिन विवादित जमीनों पर दावा किया गया है।उसका नए सिरे से सत्यापन की बात इस विधेयक में कही गई है। बता दे कि तमिलनाडू वक्फ बोर्ड ने पूरे थिरूचेदुरई गांव को वक्फ बोर्ड की संपति बताया था।और गांव की पूरी जमीन पर स्वामित्व का दावा किया था।अहम बात है कि यह गांव मुख्य रूप से हिंदू आबादी वाला है।इसी गांव का उदाहरण देते हुए केंद्र सरकार ने मौजूदा नियमों में बदलाव की बात कहते हुए वक्फ बोर्ड की शक्तियों की समीक्षा करने का फैसला लिया। गौरतलब है कि भारत में फिलहाल 30 वक्फ बोर्ड है।जो 28 राज्यो और केंद्र शासित प्रदेशो को कवर करते है। बता दें कि 1995 का वक्फ अधिनियम मुस्लिम कानून के तहत औकाफ यानि धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए दान की गई संपत्तियों के निर्धारित के लिए बनाया गया था। इसमें कुछ कमियो को दूर करने के लिए 2013 में संशोधन किए गए थे। बता दें कि सरकारी रिकार्ड के मुताबिक देशभर में वक्फ बोर्ड की 8.70 लाख संपत्तियां है, जोकि 9.40 लाख एकड है। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक को लाने की टाइमिंग काफी अहम है। क्यूंकि इस साल अक्टूबर में हरियाणा ,महाराष्ट्र, और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने है। लिहाजा सरकार के इस फैसले को इन चुनावों से जोडकर देखा जा रहा है।

रिक्शे वाले ने जामा मस्जिद से लाल किले का किराया वसूला 6 हजार रूपये

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

भारत में पर्यटन को बढावा देने के लिए "अतिथि देवो भवः सर्वप्रथम है। लेकिन कुछ लोग इस स्लोगन और छवि को मिट्टी में मिलाने को तैयार है। ऐसा ही एक मामला हाल ही.में सोशल मीडिया में सामने आया ,जब सिंगा पुर की ट्रैवल ब्लॉगर सिल्वियो चान नामक युवती ने दिल्ली में अपने अनुभव शेयर किये।

दरअसल सिल्विया, जो भारत की यात्रा पर निकली है।इसी सिलसिले में दिल्ली आई यहां एक साईकल रिक्शा वाले ने उनके साथ खराब बर्ताव किया। सिल्वियो के मुताबिक रिक्शा चालक ने शुरूआत में दोस्ताना व्यवहार किया। लेकिन बाद में सवारी के किराये के नाम पर ज्यादा की मांग की। बता दें कि विदेशी युवती ने पुरानी दिल्ली की गलियां देखने का मन बनाया और एक रिक्शावाले से मिली। शुरूआत में रिक्शे वाले का बिहेव काफी अच्छा था। और तय किराया 100/- रूपये के तहत युवती को जामामस्जिद से लाल किला तक पहुँचया।लेकिन समस्या तब पैदा हुई जब रिक्शेवाले ने 100 रूपये लेने से मना कर दिया।इसकी बजाये 6000/- रूपये की मांग करने लगा। और 6000 रूपये लेने पर अड गया। युवती के मुताबिक कुछ लोगों के बीचबचाव के बाद वह 2000 रूपये लेने को राजी हो पाया। जबकि जामामस्जिद से लालकिले तक का किराया 100/- रूपये भी बेहद ज्यादा है। इस घटना के बाद दिल्ली में पर्यटन की छवि पर भी नकारात्मक असर तो पडता ही है।

सीजीएचएस डिस्पेंसरी में अर्से से पानी तक नहीं

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

दिल्ली में डूबने के लिए तो है पानी, मगर पीने के लिए मरीजों को पानी तक मयैस्सर नहीं है। मामला केंदीय सरकार की सीजीएचएस डिस्पेंसरी का है। दिल्ली के शालीमार बाग स्थित सेंट्रल गवरमैंट हेल्थ सर्विस (सीजीएचएस) की डिस्पेंसरी में पिछले कई हफ्ते से दिल्ली जल बोर्ड की लापरवाही से पानी की एक बूंद तक नहीं है। इस बारे में नागरिक अधिकार आंदोलन के अध्यक्ष राजव्रत आर्य ने बताया कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार करोडों रूपये खर्च कर विज्ञापन तो देती है कि ₹जल ही जीवन है।₹ लेकिन इसके विरूद्ध जल को जीवन से जुदा कर मरीजों तक को तरसाने में लगी है। अध्यक्ष राजव्रत आर्य ने बताया कि पानी न होने से यहां इलाज कराने आने वालें हजारों मरीज सडी गर्मी में पीने के पानी को तरस रहे हैं।यहां के स्टाफ ने बताया कि दिल्ली जलबोर्ड की लापरवाही और निकम्मेपन से हम पिछले कई हफ्ते से पानी की सप्लाई न होने से काफी परेशान है। सीजीएचएस कार्ड धारक नारायण कुमार ने बताया कि मैं निजी तौर पर कई पत्र दिल्ली जल बोर्ड के असिस्टेंट इंजीनियर को लिख चुका हूं, लेकिन उनकी ओर से पानी के नाम पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।इसके अलावा डिस्पेंसरी के चीफ मेडिकल आफिसर ने भी कई बार दिल्ली डल बोर्ड को पत्र लिखकर पानी न आने की शिकायते दी जा चुकी है। लेकिन जलबोर्ड के कानो में जूं तक नहीं रेंगी है।वहीं स्टाफ का कहना है कि शौचालय बिना पानी के संडांध से बकबका रहे है । डिस्पेंसरी में काम करना तक दुश्वार हो रहा है। वहीं नागरिक अधिकार आंदोलन ने जिम्मेवारी लेते हुए कहा कि सीजीएचएस के कार्ड धारक मरीजों को प्यासे मारना कहां तक उचित है? उन्होने कहा कि बिना ठोस कारण बताए पानी की सप्लाई को बेवजह रोकना , डिस्पेंसरी से जुडे हजारों पेंशन धारको के जीवन से खुल्लम-खुल्ला खिलवाड है। अध्यक्ष राजव्रत आर्य ने दिल्ली जल बोर्ड की कार्य शैली से नाराज होकर चेतावनी तक दे डाली कि दिल्ली जलबोर्ड शालीमार बाग स्थित सीजीएचएस डिस्पेंसरी में आने वाले मरीजों के साथ किसी भी प्रकार की अनहोनी के लिए दिल्ली जलबोर्ड जिम्मेदार होगा। लिहाजा डिडिस्पेंसरी में पानी की सप्लाई को तुरंत किया जाए।

हरियाणा के गुभाना गांव तक चलेगी 848 नंबर की डीटीसी बस, 50 हजार लोगों को होगा फायदा

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि इस बस सेवा के शुरू करने से गुभाना और आसपास के गांवों की महिलाओं के लिए चीजें आसान हो जाएंगी। कई वर्षों से हरियाणा की यह मांग थी। लोगों ने कहा था कि उन्हें दिल्ली जैसी परिवहन सुविधा चाहिए। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली की परिवहन सेवा बेहतरीन हुई है।

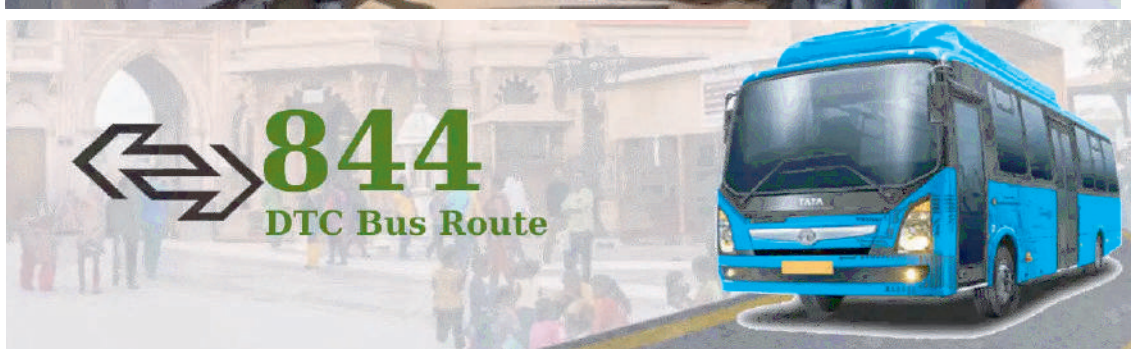

नई दिल्ली। दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत गहलोत ने रविवार को हरियाणा के गुभाना गांव के लिए 848 के विस्तारित रूट पर बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा, "यहां के लोगों की लंबे समय से यह मांग थी। जब मैंने गुभाना का दौरा किया, तो लोगों ने मुझे बताया कि यहां पर दिल्ली जैसी उचित कनेक्टिविटी नहीं है।"

उन्होंने कहा कि इस बस सेवा के शुरू करने से गुभाना और आसपास के गांवों की महिलाओं के लिए चीजें आसान हो जाएंगी। कई वर्षों से हरियाणा की यह मांग थी। लोगों ने कहा था कि उन्हें दिल्ली जैसी परिवहन सुविधा चाहिए। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली की परिवहन सेवा बेहतरीन हुई है। अब चंद मिनट से ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उनकी सेवा में लो फ्लोर इलेक्ट्रिक बसें है।

इस बस से 50 हजार से अधिक लोगों को होगा फायदा

इस बस रूट 848 के गुभाना-माजरी गांव तक चलने से गुभाना, माजरी, लुकसर, गंगडवा, गोयला, खेड़का, देशलपुर, शाहपुर, खुंगाई, जगरतपुर, खरमान और बूपनीय ग्रामवासियों को दिल्ली आने-जाने में अब कठिनाई नहीं होगी। दिल्ली सरकार की बस सेवाओं के इस क्षेत्र में विस्तार से गुभाना-माजरी और आसपास के क्षेत्रों के 50,000 से अधिक निवासियों को लाभ होने की उम्मीद है।

हरियाणा के लोग भी एसी बस में कर सकेंगे सफरः गहलोत

उन्होंने कहा कि लोगों की मांगों को देखते हुए 848 रूट की बस सेवा शुरू की गई है। अब हरियाणा भी इलेक्ट्रिक एसी बस में सफर करेगा। माताओं बहनों को सुरक्षित सफर मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार में परिवहन व्यवस्था को काफी दुरुस्त किया गया है।

पहले बस रूट नंबर 848 का आखिरी स्टॉप दिल्ली का बाकरगढ़ था। गुभाना गांव जो कि हरियाणा के झज्जर जिले का हिस्सा है और बाकरगढ़ से केवल 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, वहां सार्वजनिक परिवहन की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण स्थानीय निवासियों को दिल्ली आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

गुभाना गांव के लोगों की थी लंबे समय से मांगः गहलोत

हरियाणा स्थित गुभाना गांव के लोगो ने लंबे समय से बस सेवाओं के विस्तार का अनुरोध किया था। पिछले दिनों जब दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत को ग्रामवासियों को आवागमन में हो रही कठिनाइयों का पता चला तो उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि गुभाना-माजरी क्षेत्र हरियाणा में होने के बावजूद, केजरीवाल सरकार इस क्षेत्र को कनेक्टिविटी प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

सीबीआई का छापा पड़ा तो हटेंगे थानाध्यक्ष, दिल्ली पुलिस कमिश्नर का आदेश; रिश्वत के बढ़ते मामलों पर लिया फैसला

दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने राजधानी में बढ़ने रिश्वत लेने के मामलों को देखते हुए ये फैसला लिया है। कमिश्नर अरोड़ा ने अब यह नियम बनाया है कि अब थाना अध्यक्ष और चौकी इंचार्ज के साथ कार्रवाई की जाएगा जिनके यहां सीबीआई के छापे पड़ेंगे। पिछले माह एक के बाद कई थानों में सीबीआई के छापे पड़े थे।

नई दिल्ली। दिल्ली के थानों व चौकियों में आए दिन सीबीआई के छापे पड़ने से पुलिस महकमे में इन दिनों सभी जगह छापे की ही चर्चा हो रही है। इसको लेकर सवाल उठने पर पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने अब यह नियम बना दिया है कि जिस थाने अथवा चौकी में सीबीआई के छापे पड़ेंगे, वहां के थानाध्यक्ष का काम देखने वाले एटीओ या इंस्पेक्टर इंवेस्टिगेशन को लाइन हाजिर कर दिया जाएगा।

पिछले दो वर्षों से थानों व चौकियों में लगातार सीबीआई के छापे पड़ने पर जब सवाल उठने लगे, तब आयुक्त को कड़ा निर्णय लेना पड़ा है। उन्हें पुराने नियम को दोबारा लागू करना पड़ा। पूर्व पुलिस आयुक्त वाईएस डडवाल के कार्यकाल में इसी तरह का नियम था, जिसे बाद में खत्म कर दिया गया।

कई बार पड़ा सीबीआई का थाना

पिछले माह एक के बाद कई थानों में सीबीआई के छापे पड़ने पर पुलिस आयुक्त ने दोनों कानून एवं व्यवस्था रवींद्र सिंह यादव व मधुप तिवारी को अपने-अपने जोन के आला अधिकारियों की बैठक बुला पुलिस को भ्रष्टाचार के मामले में फंसने से बचने की सख्त हिदायत देने को कहा।

इसके बाद मधुप तिवारी ने अपने जोन के संयुक्त आयुक्त व डीसीपी को मुख्यालय में बुला एसीपी व थानाध्यक्षों के जरिये पुलिसकर्मियों को रिश्वत लेने से बेचने की हिदायत देने को कहा गया।

रवींद्र सिंह यादव ने भी इसी तरह का आदेश जारी किया। थानाध्यक्षों को लाइन हाजिर करने का अभी मौखिक आदेश ही दिया गया है। इसको लेकर कोई एडवाइजरी जारी नहीं की गई है।

पिछले माह एएसआई हुआ गिरफ्तार

बीते 26 जुलाई को द्वारका सेक्टर 23 थाने में तैनात एएसआई अनिल कुमार को सीबीआई ने रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। एएसआइ ने पीड़ित से उसके जब्त वाहन को छोड़ने के एवज में 50 हजार रुपये की मांग की थी। जिससे पीड़ित ने मामले की शिकायत सीबीआई में कर दी थी।

छापे की जानकारी पुलिस आयुक्त को मिलने पर उनके निर्देश पर थाने में एसएचओ का कामकाज देख रहे एटीओ को लाइन हाजिर कर दिया गया। इस तरह की यह पहली कार्रवाई थी। पीड़ित की स्कूटी की टक्कर हो जाने पर एएसआइ ने स्कूटी जब्त कर ली थी।

कोर्ट का आदेश लेकर जब पीड़ित स्कूटी छुड़वाने पहुंचा तब उसने स्कूटी को नहीं छोड़ा और उससे 50 हजार रुपये की मांग की गई थी। पीड़ित द्वारा सीबीआई से शिकायत कर देने पर एएसआई को चालीस हजार रिश्वत लेते पकड़ लिया गया।

एक हवलदार को किया गिरफ्तार

बीते बृहस्पतिवार को उत्तरी दिल्ली के मजनू का टीला पुलिस चौकी पर छापा मार सीबीआई ने एक हवलदार को गिरफ्तार कर एक संगठित रैकेट का पर्दाफाश किया, जिसमें पुलिसकर्मी बदमाश, ड्रग्स तस्कर व शराब तसकर को घोषित अपराधी बनाने की धमकी देकर कथित तौर पर वसूली करते थे। चौकी के पास स्थित एक ढाबा मालिक पुलिसकर्मियों के लिए वसूली करता था।

शिकायतकर्ता निमित कुमार के पास 29 जुलाई की रात 12 बजे हवलदार राजन ने काल कर बताया कि वह सिविल लाइंस से बोल रहा है।

डीसीपी कार्यालय ने बीसी की सूची तैयार की है, जिसमें उसका भी नाम है। उसे तीन तस्वीर और माता-पिता के आधार कार्ड के साथ मजनू का टीला चौकी में आने के लिए कहा गया था। राजन ने दोपहर में पीड़ित से मुलाकात कर बीसी की सूची से उसका नाम हटाने के लिए 30 हजार रिश्वत की मांग की।

पीड़ित ने पैसे की व्यवस्था करने के लिए दो दिन का समय मांगा। 30 जुलाई को हवलदार ने उसे बताया कि अगर वह 31 जुलाई की शाम तक पेसे नहीं दिया तब उसे बीसी घोषित कर दिया जाएगा। पीड़ित से पैसे लेने से पहले हवलदार को भनक लग गई, जिससे छापे के दौरान वह भागने में कामयाब हो गया।

चौकी इंचार्ज को निलंबित

इस मामले में चौकी इंचार्ज प्रवीण शर्मा को निलंबित कर दिया गया। वह 2014 बैच का सब इंस्पेक्टर है। साथ ही सिविल लाइंस थानाध्यक्ष को भी लाइन हाजिर कर दिया गया। संयुक्त आयुक्त परमादित्य व डीसीपी मनोज कुमार मीना ने मुख्यालय को दी रिपोर्ट में बताया है कि एसएचओ को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। ऐसे में उनकी वापसी की उम्मीद जताई जा रही है।

'अरविंद केजरीवाल शेर हैं, वह ना टूटेंगे और ना झुकेंगे', सोहना में BJP पर जमकर बरसीं सुनीता केजरीवाल

परिवहन विशेष न्यूज

सुनीता केजरीवाल ने सोहना में रविवार को एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के लाल को जेल में डाला है। मोदी ने हरियाणा के लोगों को चुनौती दी है कि मैंने आपके बेटे को जेल में डाल दिया है अब जो करना है कर लो। क्या आप लोग यह अन्याय सहेंगे?

सोहना। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि हरियाणा में सत्ता में आने पर दिल्ली की तर्ज पर हर शहर व गांव में मोहल्ला क्लीनिक बनाने के ऊपर जोर दिया जाएगा। उन्होंने विकास के मामले में नया हरियाणा बनाने का दावा किया।

रविवार को पार्टी की ओर से सोहना की अनाज मंडी में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सुनीता केजरीवाल ने प्रदेश भाजपा सरकार को हर मोर्चे पर विफल करार देते हुए कहा कि आम आदमी इस सरकार से दुखी है। भय और भ्रष्टाचार चरम पर है। सोहना का जिक्र करते हुए कहा कि यहां न स्वास्थ्य सुविधा है, न शिक्षा न रोजगार। हालात बदतर है। हरियाणा की जनता बदलाव चाहती है।

विरोधियों की आवाज दबाना चाहती है केंद्र सरकार- सुनीता

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विरोधियों की आवाज दबाना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने हरियाणा के लाल केजरीवाल को फर्जी केस में जेल में डलवा दिया क्योंकि केजरीवाल आम जनता की आवाज बन चुके हैं।

सुनीता केजरीवाल ने आगे कहा कि केजरीवाल का सामाजिक और राजनीतिक कद बढ़ता जा रहा है। पंजाब के बाद हरियाणा की जनता अपने गुदड़ी के लाल केजरीवाल को सत्ता सौंपने का मन बना चुकी है इसलिए भाजपा का शीर्ष नेतृत्व केजरीवाल की बढ़ती ख्याति को रोकना चाहता है।

नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के लाल को जेल में डाला है। मोदी जी ने हरियाणा के लोगों को चुनौती दी है कि मैंने आपके बेटे को जेल में डाल दिया है, अब जो करना है कर लो। क्या आप लोग यह अन्याय सहेंगे?

हरियाणा की जनता को अरविंद केजरीवाल की पांच गारंटी

- प्रदेश में सभी को 24 घंटे और मुफ्त बिजली दी जाएगी।
- सभी गांवों में मोहल्ला क्लिनिक बना कर लोगों का मुफ्त इलाज किया जाएगा।
- सरकारी स्कूलों को शानदार बनाया जाएगा, जहां बेहतरीन शिक्षा मिलेगी।
- महिलाओं को मुफ्त बस सफर की सुविधा दी जाएगी।
- हर बेरोजगार युवा को रोजगार दिया जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने कहा कि जनता बदलाव चाहती है। अगली सरकार आम आदमी पार्टी की बनेगी। वर्तमान सरकार से हर वर्ग दुखी है। जनसभा के संयोजक व पार्टी के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र खटाना ने भाजपा के 10 साल के शासन को कुशासन करार दिया।

उन्होंने कहा कि घामड़ोज टोल प्लाजा सोहना इलाके की जनता के ऊपर थोप दिया गया है। इससे विकास प्रभावित होने लगा है। लोगों को आसपास जाने के लिए भी टोल देना पड़ता है। बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के चलते लोग परेशान हैं। आए दिन शहर के लोग अपनी मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन करते रहते हैं। जनसभा को पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल सहित कई नेताओं ने संबोधित किया।

महिला वकील ने लिफ्ट में दो बच्चों को पीटा, वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने लिया संज्ञान

गुरुग्राम में एक सोसाइटी के अंदर 28 जुलाई की घटना का एक वीडियो वायरल हो रहा है। महिला के बेटे का सोसाइटी में ही रहने वाले बच्चे के साथ झगड़ा हो गया था। बच्चे ने झगड़े के बारे में अपनी मां को बताया। इसके बाद महिला आई और दो बच्चों को लिफ्ट में ले जाकर गाली-गलौज किया और मारपीट की।

गुरुग्राम। जिले के सेक्टर 70 स्थित एक सोसायटी में बच्चों में हुए झगड़े के बाद एक महिला ने दूसरे के बच्चों के साथ गाली-गलौज किया। महिला बच्चों को कॉलर से पकड़कर लिफ्ट में ले गई। अंदर उनके साथ मारपीट की गई। जब एक बच्चे की मां आई तो उसके साथ भी गाली-गलौज किया गया। बच्चे के पिता ने बादशाहपुर थाने में महिला के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई है।

28 जुलाई की इस घटना का वीडियो फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। महिला के बेटे का सोसाइटी में ही रहने वाले बच्चे के साथ झगड़ा हो गया था। बच्चे ने झगड़े के बारे में अपनी मां को बताया। इसके बाद महिला आई और दो बच्चों को लिफ्ट में ले जाकर गाली-गलौज किया और मारपीट की। आरोपित महिला की पहचान फरहान वारसी के रूप में की गई है।

बच्चे के पिता ने दर्ज कराई एफआईआर

बताया जाता है कि यह वकील है। मारपीट की घटना के बाद जब पीड़ित बच्चे ने अपनी मां को जानकारी दी और मां ने इसका विरोध किया तो उनके साथ भी गाली-गलौज की गई। एक बच्चे के पिता प्रशांत प्रांडेय ने बादशाहपुर थाने में लिखित शिकायत की है। पुलिस ने जांच के बाद आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया।

ठेकेदारी सिस्टम हटाएंगे, युवाओं को पक्के रोजगार देंगे: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि वो युवाओं और श्रमिकों को ठेकेदारी सिस्टम में झोंक दिया गया। कांग्रेस की सरकार आने पर वह ठेकेदारी सिस्टम हटाएंगे। वह देश के श्रमिकों और किसानों के आभारी हैं इन्होंने हरियाणा को अपने पैरों पर खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुरुग्राम। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि किसान और श्रमिक खुशहाल होंगे तो देश खुशहाल होगा। वर्ष 2006 में कांग्रेस सरकार ने हरियाणा में श्रमिक नीति बनाई थी। भाजपा सरकार आने के बाद इस नीति पर कोई कदम नहीं उठाया गया।

युवाओं और श्रमिकों को ठेकेदारी सिस्टम में झोंक दिया गया। कांग्रेस की सरकार आने पर वह ठेकेदारी सिस्टम हटाएंगे। श्रमिकों के लिए नई योजनाएं और युवाओं को पक्की नौकरी देंगे।

कामगार सम्मेलन में थे मौजूद

भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक) की तरफ से रविवार दोपहर गुरुग्राम के सेक्टर-18 स्थित नाटिंग हिल्स में आयोजित कामगार अधिकार सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि उनका खुद इंटक से गहरा संबंध रहा है। उन्होंने इस संगठन के तहत भी काफी कार्य किया है।

हरियाणा को अपने पैरों पर खड़ा किया

वह देश के श्रमिकों और किसानों के आभारी हैं, इन्होंने हरियाणा को अपने पैरों पर खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सरकार थी तब हरियाणा खेल में, रोजगार में, शिक्षा में, कानून व्यवस्था में नंबर एक पर था।

बाहरी निवेश आना बंद

2014 में भाजपा के आने के बाद हरियाणा में बाहरी निवेश आना बंद हो गया। कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। भाजपा सरकार हर चीज का निजीकरण कर रही है। बसों का बेड़ा घटा दिया गया। कांग्रेस हमेशा से ही राष्ट्रीयकरण पर विश्वास करती है।

भाजपा सरकार का किसानों और श्रमिकों की तरफ ध्यान नहीं है। भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस इस बात को लेकर वचनबद्ध है कि श्रमिकों को देश में सबसे ज्यादा वेतन हरियाणा में दिया जाएगा। श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, इंश्योरेंस जैसे मुद्दों को घोषणा पत्र में शामिल करेंगे। कांग्रेस जो कहती है, वो करती है।

उन्होंने गैस सिलेंडर का रेट पांच सौ रुपये करने, बुजुर्गों की पेंशन बढ़ाने, श्रमिकों को सौ-सौ गज का प्लाट देने समेत कई घोषणाओं को एक बार फिर से दोहराया। कहा कि सरकार आने पर कौशल रोजगार निगम के तहत युवाओं को पक्की नौकरी दी जाएगी।

छह करोड़ की लागत से 'हम-तुम रोड' बनाएगा GDA, राजनगर एक्सटेंशन जाने वालों को मिलेगी राहत

परिवहन विशेष न्यूज

जीडीए (गाज़ियाबाद डेवलपमेंट अथॉरिटी) छह करोड़ की लागत से राजनगर एक्सटेंशन की तरफ जाने वाली हम-तुम रोड की मरम्मत कराएगा। इस एक किलोमीटर लंबी सड़क में अभी लोगों को गड्ढों के चलते काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब इसे कंक्रीट की सड़क बनाने से लोगों को राहत मिलेगी। इस रोड पर रोजाना हजारों वाहन सफर करते हैं।

गाजियाबाद। मेरठ रोड से हम-तुम रेस्तरां के पास से होते हुए राजनगर एक्सटेंशन की तरफ जाने वाली सड़क का बुरा हाल है। एक किलोमीटर लंबी सड़क में काफी संख्या में गड्ढे हैं जिस कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर निगम ने छह करोड़ की लागत से कंक्रीट की सड़क बनाने का निर्णय लिया है। इससे लोगों को गड्ढों के साथ जाम से निजात मिलेगी।

दरअसल, राजनगर एक्सटेंशन को जोड़ने वाली हम-तुम रोड बेहद अहम है। राजनगर एक्सटेंशन होते हुए मेरठ रोड पर पहुंचने वाले वाहन व मेरठ रोड से राजनगर एक्सटेंशन की तरफ जाने वाले काफी संख्या में वाहन इस रोड से आवागमन करते हैं। काफी संख्या में मालवाहक वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं।

एक किलोमीटर लंबी सड़क होगी दुरुस्त

इस कारण इस मार्ग पर काफी गड्ढे हो गए हैं। इसके कारण यहां वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग जाता है जिससे जाम की स्थिति बनी रहती है। समस्या से निजात दिलाने के लिए निगम ने इस एक किलोमीटर लंबी सड़क को कंक्रीट की बनाने की योजना पर काम कर रहा है।

नगर निगम के मुख्य अभियंता एनके चौधरी ने बताया कि कंक्रीट की

सड़क के निर्माण का एस्टीमेट तैयार कराया गया है। इस सड़क के निर्माण में करीब छह करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्रस्ताव उच्चाधिकारियों के सामने पेश किया जाएगा। मंजूरी मिलते ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

जीडीए अधिशासी अभियंता को कारण बताओ नोटिस

राजनगर एक्सटेंशन स्थित ऑफिसर सिटी-2 के सामने की सड़क टूटी हुई है। जीडीए की ओर से इसके निर्माण के लिए निविदा निकाली, जिसमें एक फर्म को लाभ देने का अंदेशा होने पर जीडीए वीसी ने अधिशासी अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिसका एक सप्ताह में स्पष्टीकरण मांगा है। ऑफिसर सिटी-2 के सामने पिछले काफी समय से करीब 45 मीटर चौड़ी सड़क टूटी है।

सोसायटी के अलावा स्थानीय लोगों की ओर से सड़क निर्माण को लेकर काफी समय से मांग की जा रही है। जीडीए की ओर से पिछले दिनों टूटी सड़क के निर्माण के लिए निविदा निकाली गई। इसे लेकर चार एजेंसियों ने दिलचस्पी दिखाते हुए भाग लिया। निविदा प्रक्रिया के आवंटन में नियमों की अनदेखी मिली हैं। इसकी शिकायत जीडीए वीसी अतुल वत्स को मिली।

उन्होंने अभियंत्रण अनुभाग से पत्रावली तलब कर जांच की। सात जून को खोली गई तकनीकी बिड में सभी चार फर्म की निविदाताओं को स्वीकृत कर वित्तीय बिड की पत्रावली मुख्य अभियंता को भेजी गई, जिनमें एक बिल्डर के दस्तावेज पूरे नहीं थे। आवेदन तकनीकी बिड में निरस्त करने के बजाए आगे बढ़ा दिया गया। मामले में जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने कार्य में लापरवाही के चलते अधिशासी अभियंता लवकेश कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह में स्पष्टीकरण देने को कहा है।

इसराईल के लिए युद्ध विराम हार के समान होगा

सईद नकवी

टारनटिनो की फिल्म 'जैंगो अनचेन्ड' का क्रूर यथार्थवाद शायद पेट के कमजोर लोगों को भी उल्टी करवा दे।

टारनटिनो की फिल्म 'जैंगो अनचेन्ड' का क्रूर यथार्थवाद शायद पेट के कमजोर लोगों को भी उल्टी करवा दे। अमरीका के सुदूर दक्षिण में रहने वाला एक श्वेत बागान मालिक अपने लिविंग रूम में सोफे पर बैठा हुआ 2 मजबूत गुलामों को लड़ते हुए देखता है, दोनों कम से कम तब तक लड़ते हैं जब तक कि उनमें से एक दूसरे की आंखें नहीं निकाल लेता। बाहर, भेडियों से भी बड़े आकार के भूखे कुत्तों का एक झुंड एक गुलाम पर छोड़ दिया जाता है जो पेड़ पर चढने की व्यर्थ कोशिश करता है।

लीयर जंगल में विलाप करते हुए कहता है, ''जैसे आवारा लड़कों के लिए मक्खियां हैं, वैसे ही हम भगवान के लिए भी हैं वे हमें अपने मनोरंजन के लिए मारते हैं।'' बेंजामिन नेतन्याहू ने कैपिटल हिल में अमरीकी कांग्रेसियों से जो कुछ भी निकलवाया, उनके सामने सभी खड़े होकर तालियां बजाने वाले फीके पड़ गए। वे अपनी सीटों पर कीलों की तरह खड़े होने से नहीं रुक रहे थे। यह पहली बार नहीं है जब नेतन्याहू ने कांग्रेस के संयुक्त सत्र को अपने पक्ष में किया हो। कांग्रेस ने 4 मौकों पर नेतन्याहू की कोरियोग्राफी के आगे घुटने टेक दिए हैं। इस तरह उन्होंने कांग्रेस के सामने सबसे अधिक बार उपस्थित होने के मामले में विंस्टन चर्चिल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

एक बार राष्ट्रपति बराक ओबामा ने वाशिंगटन में उनकी उपस्थिति का विरोध किया था। नेतन्याहू ने व्हाइट हाऊस की अवहेलना की और संयुक्त सत्र को संबोधित किया, लोगों ने एक के बाद एक खड़े होकर तालियां बजाईं। इसराईल का असाधारण प्रभाव वाशिंगटन को क्या समझाता है? मैंने प्रधानमंत्री, यित्जाक शमीर, यित्जाक राबिन, शिमोन पेरेज और नेतन्याहू का साक्षात्कार लिया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि नेतन्याहू अपने अमरीका को बाकी सभी से बेहतर जानते हैं। इसके पीछे सरल कारण हैं। हार्वर्ड और एम.आई.टी. में अध्ययन करने के कारण उन्हें एक व्यापक, प्रभावशाली नैटवर्क मिला, जिसे उन्होंने कड़ी मेहनत से विकसित किया है।

1984 से 88 तक संयुक्त राष्ट्र में इसराईल के राजदूत के रूप में उनके कार्यकाल ने उन्हें न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया में यहूदियों के साथ अपने संबंधों को बढ़ाने और मजबूत करने में मदद की। तेल अवीव के बाद, न्यूयॉर्क में यहूदियों की सबसे बड़ी आबादी है और यह दुनिया का सबसे प्रभावशाली शहर है। विश्लेषकों ने यू.एस. में इसराईल लॉबी को एक ऐसी संस्था के रूप में उद्धत किया है जो अमरीकी विदेश नीति को इसराईल के हितों के साथ जोड़ती है।

वास्तव में शिकागो विश्वविद्यालय के प्रोफैसर जॉन मियर्सचाइमर और हार्वर्ड के प्रोफैसर स्टीफन वॉल्ट द्वारा इस विषय पर एक मौलिक कार्य 'इसराईल लॉबी और अमरीकी विदेश नीति' बताता है कि अमेरिकी प्रतिष्ठान की सभी शाखाओं में लॉबी के जाल कितने गहरे हैं। सैन्य सटीकता और असामान्य चापलूसी के मिश्रण के साथ जंपिंग जैक अभ्यास करने वाले अमरीकी लोगों के प्रतिनिधियों का वर्णन करने के लिए शर्मनाक एक हल्का शब्द है। क्या इसराईल से संबंधित मामलों में अमेरिकी लोकतंत्र में लोगों का कोई महत्व नहीं है? क्या यह केवल पूंजीदाताओं और लॉबी का एक सर्कस है। नैशनल राइफल एसोसिएशन किसी भी सुधार को सफलतापूर्वक विफल कर देगा, भले ही बंदूक हिंसा से हर दिन स्वतंत्र भूमि पर 12 स्कूली बच्चे मारे जाते हों।

1948 की नकबा या तबाही भयानक थी जब इसराईल के गांवों को फिलिस्तीनियों से खाली कर दिया गया था। आगे भी इसी तरह की भयावहताएं हुई हैं लेकिन वर्तमान क्रूरताओं की अंतहीनता फिलिस्तीनियों के लिए बेहतर भविष्य का अग्रदूत है। सभी पिछले विनाश इसराईल के आत्मविश्वास का परिणाम थे। इसराईल जानता था कि उसके सभी

नखरे नजरअंदाज कर दिए जाएंगे और कभी-कभी एकमात्र महाशक्ति द्वारा प्रोत्साहित भी कि ए जाएंगे। रक्षा सचिव कैस्पर वेनबर्गर की इसराईल को मध्य पूर्व में अमेरिका के न डूबने वाले विमानवाहक के रूप में परिभाषित करना उचित था, केवल तब तक जब तक अमरीका एक निर्ववाद महाशक्ति था।

2008 में लेहमैन ब्रदर्स के टाइटैनिक की तरह डूबने के बाद, आधिपत्य के पतन को रोका नहीं जा सका। उदाहरण के लिए मिल्ट्री इंडस्ट्रियल काम्प्लैक्स (एम.आई.सी) जैसे कई अमरीकी संस्थानों ने अपनी चमक खो दी है। इस बहुचर्चित एम.आई.सी ने अमरीका को वियतनाम, इराक जीतने में सक्षम नहीं बनाया है और हम अगस्त 2021 में 20 साल के कब्जे के बाद अफगानिस्तान से गंदी वापसी को स्पष्ट रूप से याद करते हैं। एम.आई.सी. देशों को नष्ट करने में मदद कर सकता है, युद्ध जीतने में नहीं।

पुतिन को यूक्रेनी रंगमंच में उकसाने का एक उद्देश्य अमरीका को खोई प्रतिष्ठा वापस दिलाना था। इसके विपरीत हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण कारणों से जो बाइडेन को बाहर होना पड़ा। पुतिन, शी जिनपिंग के भरोसेमंद हाथों को थामे हुए, एक वैश्विक राजनेता के रूप में प्रशंसनीय लग रहे हैं, दोनों जी-7 से आगे ब्रिक्स का रास्ता तय कर रहे हैं। इस बीच नेतन्याहू ने खुद को एक कोने में रख लिया है। वह बाघ से नहीं उतर सकता क्योंकि अगर वह ऐसा करेगा तो बाघ उसे खा जाएगा। इसलिए उसे लडना जारी रखना चाहिए और फिलिस्तीनियों पर बमबारी जारी रखनी चाहिए। उन्हें एक और कारण से भी लडना जारी रखना होगा क्योंकि उन्होंने हमास पर पूर्ण विजय का वायदा किया है, जो सभी गणनाओं के अनुसार एक असंभव प्रस्ताव है।

लोग भूल जाते हैं कि सऊदी अरब के साथ अमरीका के संबंध 1948 में इसराईल के निर्माण से पहले के हैं। 1945 में राष्ट्रपति रूजवैल्ट और सऊदी राजशाही के संस्थापक शाह सऊद ने शीत युद्ध के संदर्भ में सुरक्षा की गारंटी के बदले में अरब तेल को पश्चिम द्वारा कैसे सांझा किया जाएगा। इस पर समझौतों की पुष्टि करने के लिए स्वेज नहर में यू.एस.एस. क्विंसी पर मुलाकात की थी।

जब 1990-91 में शीत युद्ध समाप्त हुआ, तो सुरक्षा नीतियों के लिए तेल को बनाए रखने के लिए अरबों को डराने के लिए ईरानी क्रांति, शिया धुरी, इस्लामी आतंक को लाया गया। इसलिए चीन के दबाव में आकर सऊदी अरब ने तेहरान से हाथ मिलाया है। यह वास्तव में वैश्विक दक्षिण में शामिल हो गया है। यह इसराईल नहीं कर सकता। चीन के इशारे पर, हमास और फतह सहित सभी फिलिस्तीनी समूह युद्ध के अगले दिन गाजा के प्रबंधन के लिए हाथ मिलाने पर सहमत हो गए हैं।

अंतर्कलह से जूझती भाजपा की खराब होती दशा

परिवहन विशेष न्यूज

बीते लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल शुरू हुई। यह लगातार बढ़ रही है। आज उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मोर्चे पर तलवार भांज रहे हैं।

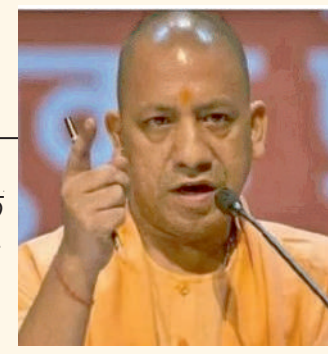

नई दिल्ली। बीते लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल शुरू हुई। यह लगातार बढ़ रही है। आज उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मोर्चे पर तलवार भांज रहे हैं। भाजपा के 100 विधायकों को तोड़ कर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने में मौर्य को मुख्यमंत्री का पद ऑफर किया गया था। सूबे में जारी इस घमासान का व्यापक असर देर-सवेर देश पर भी पड़ेगा। इसके कारण भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की हालत ऐसी है कि देश का स्वास्थ्य मंत्रालय ही नेतृत्व विहीन प्रतीत होने लगा है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री के बीच की तकरार सरहदें पार कर गई है। केशव प्रसाद मौर्य और योगी आदित्य नाथ के नाम पर आज संगठन बनाम सरकार का समीकरण बन गया है। इसके बीच उत्तर प्रदेश की जनता की कौन सुनेगा? आज यक्ष प्रश्न यही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा की ढलती स्थिति के लिए योगी को जिम्मेदार मान कर सत्ता से बेदखल करने का प्रयास अब तक सफल नहीं हो सका है। पार्टी नेतृत्व को याद होगा कि पूर्व में कल्याण सिंह की लोकप्रिय सरकार अंतर्कलह की भेंट चढ़ गई थी।

अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में हुई भूल के बाद भाजपा को सत्ता प्राप्त करने में 18 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। क्या मोदी के दौर में भाजपा फिर वही गलती दोहराएगी? इस सवाल के जवाब में तमाम तरह के दावे बाजार में मौजूद हैं। लोकसभा की 80 में से 75 सीटें जीतने का दावा करने वाले मात्र 33 पर सिमट गए। इसके कारण चुनाव में हार का ठीकरा फोडने की कवायद लगातार चलने लगी। लखनऊ में हुई समीक्षा में योगी आदित्य नाथ ने पार्टी की दुर्दशा के 3 कारण गिनाए।

पहला, उन्होंने भाजपा के 400 पार के नारे को अति आत्मविश्वास का प्रतीक करार दिया। दूसरा, संविधान बदलने की योजना को अनुकूल समझ कर इसे जनता ने खारिज कर दिया। तीसरे कारण के रूप में डबल इंजन सरकार की सभी उपलब्धियों को जनता तक नहीं पहुंचा पाना माना। हालांकि पहले दोनों कारणों में उन्होंने दिल्ली की ओर उंगली घुमाई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शीर्ष नेतृत्व पर बराबर प्रहार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बायोलॉजिकल नहीं होने की बात पर भागवत भी राहुल गांधी की तरह चुटकी लेने से नहीं चूके थे।

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर

भारतीय कंपनी ने बनाई पहली मेड इन इंडिया सोलर कार, देगी 330 किलोमीटर की रेंज

परिवहन विशेष न्यूज

पुणे स्थित स्टार्टअप वायवे कमर्शियल मोबिलिटी ने सोलर एनर्जी से चलने वाली कार बनाई है। इस कार का नाम वायवे सीटी5 सोलर कार है। यह कार देश में बनने वाली पहली सोलर कार है। कंपनी ने इसे ऑटो एक्सपो 2023 में पेश किया था।

सोलर कार को कंपनी ने खासतौर पर टैक्सी लाइनअप के लिए बनाया है। यह कार 5 सीटर होने वाली है। यह सोलर कार होने के साथ ही इलेक्ट्रिक कार भी है, जिसे आप चार्ज करके भी चला सकते हैं।

कंपनी की तरफ से दावा किया गया है इसे एक बार फुल चार्ज करने के बाद 330km तक का सफर तय किया जा सकता है। इसकी टॉप स्पीड 70Km/h है। यह कार महज 6 सेकंड में 0 से 40 km/h की स्पीड पकड़ लेती है। यह महज 1.30 घंटे में ही फुल चार्ज किया जा सकता है। इस कार की खास बात यह है कि इसके रूफ पर सोलर पैनल लगाएं गए हैं। जिसकी वजह से इसे आप एक साल में 4000 किलोमीटर तक एकदम फ्री में चला सकते हैं। यानी आप कश्मीर से कन्याकुमारी तक फ्री में सफर कर सकते हैं। जिसकी दूरी 3676 किलोमीटर है।

कार के दूसरे फीचर्स के बारे में बात करें तो इसमें एसी वेंट्स, लैपटॉप या दूसरे गैजेट्स के लिए 220 वॉट चार्जिंग सॉकेट, रिवर्स कैमरा, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, कनेक्टेड कार फीचर्स दिए गए है। लोगों की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए सभी 5 पैसेंजर्स के लिए सीटबेल्ट दिया गया है। इसमें फ्रंट डिस्क ब्रेक, कार में पीछे की तरफ दो बड़ी वर्टिकल स्क्रीन, आईपी 67 सर्टिफाइट पावरट्रेन दिया गया है।

इसे बनाने वाली कंपनी वायवे कमर्शियल मोबिलिटी की तरफ से इसकी कीमत को लेकर किसी तरह की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन खबरों की मानें तो इस कार की कीमत 10 लाख रुपये के आस-पास हो सकती है।

होंडा की गाड़ियों पर अगस्त में बंपर छूट, अमेज पर सबसे ज्यादा डिस्काउंट

परिवहन विशेष न्यूज

होंडा अगस्त 2024 डिस्काउंट वाहन निर्माता कंपनी होंडा अगस्त 2024 में अपनी कई मॉडलों पर छूट दे रही है। होंडा की ये कारें एलिवेट एसयूवी सिटी सेडान सिटी हाइब्रिड और अमेज कॉम्पैक्ट सेडान है। इसमें से होंडा सिटी पर 88000 रुपये तक का डिस्काउंट मिल रहा है। आइए जानते हैं कि होंडा की किस गाड़ी पर कितनी छूट मिल रही है।

नई दिल्ली। होंडा मोटर्स अपने कई मॉडलों पर अगस्त 2024 में बंपर छूट दे रही है। होंडा की इन कारों में एलिवेट एसयूवी, सिटी सेडान, सिटी हाइब्रिड और अमेज कॉम्पैक्ट सेडान शामिल है। इस महीने मिलने वाले डिस्काउंट में नकद छूट, लॉयल्टी और एक्सचेंज बोनस और कॉर्पोरेट स्कीम शामिल है। आइए जानते हैं कि अगस्त 2024 में होंडा कार और SUV पर कितनी छूट मिल रही है।

अगस्त 2024 में Honda Elevate पर डिस्काउंट

होंडा इस महीने एलिवेट पर 65,000 रुपये तक का डिस्काउंट दे रही है। इस SUV को अप्रैल में एक्स्ट्रा सेफ्टी फीचर्स के साथ अपडेट किया गया था, जिसमें छह एयरबैग, 3-पॉइंट ईएलआर सीट बेल्ट और सभी पांच सीटों के लिए सीट बेल्ट रिमाइंडर मानक फिटमेंट जैसे फीचर्स दिए गए। कंपनी की तरफ से दी जा रही छूट अपडेट से पहले बनी एलिवेट मॉडल पर दी जा रही है। एलिवेट की कीमत 11.91 लाख रुपये से 16.51 लाख रुपये के बीच है।

अगस्त 2024 में Honda City पर डिस्काउंट

कंपनी इस महीने होंडा सिटी पर 88,000 रुपये तक का डिस्काउंट दे रही है। इसके साथ ही अपडेटेड सिटी 68,000 रुपये तक की छूट मिल रही है। होंडा सिटी में 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है जो 121hp की पावर जनरेट करता है। इसके इंजन को 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के जोड़ा गया है। Honda City की एक्स-शोरूम कीमत 12.08 लाख रुपये से 16.35 लाख रुपये के बीच है।

अगस्त 2024 में Honda City Hybrid पर डिस्काउंट

कंपनी अपनी होंडा सिटी हाइब्रिड पर इस महीने 78,000 रुपये तक की नकद छूट और 20,000 रुपये के 3 साल के कॉम्प्लीमेंट्री सर्विस पैकेज दे रही है। यह 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटर के साथ आती है, जिसे ई-सीवीटी गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। Honda City Hybrid एक्स-शोरूम कीमत 19 लाख रुपये और 20.55 लाख रुपये तक की आती है।

अगस्त 2024 में Honda Amaze पर डिस्काउंट

अगस्त में होंडा अमेज की VX और एलीट वेरिएंट पर 96,000 रुपये तक का डिस्काउंट मिल रहा है। इसके साथ ही S वेरिएंट पर 76,000 रुपये तक और एंट्री-लेवल E वेरिएंट पर 66,000 रुपये तक की छूट मिल रही है। इसमें 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 90hp की पावर जनरेट करता है। इसमें मैनुअल गियरबॉक्स और CVT ऑटो ऑप्शन मिलता है। Honda Amaze 7.20 लाख रुपये से 9.96 लाख रुपये तक की एक्स-शोरूम कीमत पर आती है।

खरीदनी है रेनॉल्ट की गाड़ी, अगस्त 2024 में खरीदने पर हो सकती है 70 हजार रुपये तक की बचत

परिवहन विशेष न्यूज

फ्रांस की वाहन निर्माता रेनॉल्ट की ओर से भारतीय बाजार तीन गाड़ियों को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है।

नई दिल्ली। यूरोप की वाहन निर्माता Renault की ओर से भारतीय बाजार में Hatchback, Compact SUV और MPV सेगमेंट में वाहनों को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से August 2024 में अपनी सभी गाड़ियों पर बेहतरीन डिस्काउंट ऑफर्स दिए जा रहे हैं। रेनो की किस गाड़ी पर इस महीने में कितना डिस्काउंट मिल रहा है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Renault Triber

Renault की ओर से बजट एमपीवी के तौर पर Triber को ऑफर किया जाता है। कंपनी इस महीने में इस बजट एमपीवी पर अधिकतम 70 हजार रुपये के ऑफर दे रही है। यह ऑफर सिर्फ केरल के लिए दिया जा रहा है। जहां कैश बेनिफिट और एक्सचेंज बेनिफिट के तौर पर 25 हजार रुपये और लॉयल्टी बेनिफिट के तौर पर 20 हजार रुपये बचाए जा सकते हैं। केरल के अलावा पूरे भारत में 15 हजार रुपये कैश बेनिफिट के तौर पर, 15 हजार रुपये एक्सचेंज बेनिफिट और 10 हजार रुपये का लॉयल्टी कैश बेनिफिट दिया जा रहा है।

Renault Kwid

रेनो की ओर से Hatchback सेगमेंट में Kwid को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। रेनो August में सबसे सस्ती गाड़ी पर अधिकतम 60 हजार रुपये के ऑफर दे रही है। यह ऑफर सिर्फ केरल के लिए दिया जा रहा है। जहां कैश बेनिफिट और एक्सचेंज बेनिफिट के तौर पर 25 हजार रुपये और लॉयल्टी बेनिफिट के तौर पर 10 हजार रुपये बचाए जा सकते हैं। केरल के अलावा पूरे भारत में 15 हजार रुपये कैश बेनिफिट के तौर पर, 15 हजार रुपये एक्सचेंज बेनिफिट और 10 हजार रुपये का लॉयल्टी कैश बेनिफिट दिया जा रहा है।

मारुति ग्रैंड विटारा के मुकाबले टाटा कर्व होगी बेहतर, मिल सकते हैं ये बेहतरीन फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की ओर से जल्द ही कूपे एसयूवी के तौर पर टाटा कर्व को लॉन्च किया जाएगा। फिलहाल इसका इलेक्ट्रिक वर्जन लाया जाएगा, लेकिन जल्द ही इसका आईसीई वर्जन भी बाजार में आएगा। जिसका सीधा मुकाबला मारुति ग्रैंड विटारा से होगा। मारुति ग्रैंड विटारा के मुकाबले कर्व का आईसीई वर्जन (टाटा कर्व च मारुति ग्रैंड विटारा) क्यों बेहतर हो सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

मिल सकता है डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर

टाटा मोटर्स की ओर से आईसीई Tata Curvv को जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। कंपनी की इस एसयूवी में 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया जा सकता है। इसके साथ ही एसयूवी में डिजिटल स्पीडोमीटर, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी अलर्ट, टीपीएमएस के साथ ही कई फीचर्स की जानकारी मिल पाएगी। मारुति की ग्रैंड विटारा में सात इंच का इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया जाता है।

ADAS के साथ आ सकती है Tata Curvv

टाटा की ओर से कर्व में सुरक्षा के लिए कई बेहतरीन फीचर्स को दिया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक इसमें Level-2 ADAS को भी ऑफर किया जा सकता है। लेकिन मारुति की ओर से अभी किसी भी गाड़ी में इस सेफ्टी फीचर को ऑफर नहीं किया जाता। टाटा कर्व में एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, एईबी, ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन, लेन डिपार्चर वॉर्निंग, फॉर्वर्ड और रियर कॉलिजन वॉर्निंग जैसे कुछ फीचर दिए जा सकते हैं।

पावर्ड ड्राइवर सीट भी मिलेंगी

टाटा कर्व में पावर्ड ड्राइवर सीटों को भी दिया जा सकता है। वहीं ग्रैंड विटारा में मैनुअल एडजस्टेबल ड्राइवर सीट को दिया जाता है। कर्व में पावर्ड सीट के साथ मेमोरी फंक्शन भी दिया जा सकता है।

मिलेगा बड़ा इंफोटेनमेंट सिस्टम

ग्रैंड विटारा के नौ इंच के इंफोटेनमेंट सिस्टम के मुकाबले टाटा कर्व में कंपनी की ओर से 12.3 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है। इसके साथ जेबीएल का नौ स्पीकर ऑडियो सिस्टम भी मिल सकता है। वहीं ग्रैंड विटारा में छह स्पीकर का ऑडियो सिस्टम दिया जाता है।

कनेक्टिड लाइट्स भी मिलेंगी

कर्व के आईसीई वर्जन में कनेक्टिड एलईडी हैडलैंप के साथ एलईडी टेल लैंप को भी दिया जा सकता है। लेकिन यह फीचर मारुति ग्रैंड विटारा में नहीं दिया जाता।

इंडियन रोडमास्टर एलीट भारत में हुई लॉन्च, रिमोट-लॉकिंग और बाइक लोकेटर जैसे फीचर्स से लैस

परिवहन विशेष न्यूज

इंडियन मोटरसाइकिल ने भारत में अपनी नई बाइक रोडमास्टर एलीट के लिमिटेड एडिशन को लॉन्च किया है। जिसकी कीमत 71.82 लाख रुपये है। इस बाइक को कई बेहतरीन फीचर्स के साथ लाई गई है। इस बाइक को ब्लूटूथ कनेक्टिविटी जीपीएस नेविगेशन राइड कमांड+ डिस्प्ले ऐप्पल कारप्ले बाइक लोकेटर और बाइक हेल्थ जैसे फीचर्स से लैस किया गया है।

नई दिल्ली। Indian Motorcycle ने भारत में ROADMASTER ELITE का सीमित वेरिएंट लॉन्च किया है। इसकी दुनियाभर के लिए केवल 350 यूनिट ही बनाई गई हैं। यह भारत की सबसे महंगी मोटरसाइकिल में से एक है। इंडियन मोटरसाइकिल एक अमेरिकी मोटरसाइकिल ब्रांड है जो भारत में इंडियन स्काउट और चीफटेन जैसे चुनिंदा मॉडल पेश करती है। आइए जानते हैं कि 2024 इंडियन रोडमास्टर एलीट को किन फीचर्स से लैस किया गया है।

नए कलर स्कीम में लाया गया

इंडियन रोडमास्टर एलीट को सिंगल ट्राई-टोन पेंट स्कीम के साथ लाया गया है। इस पेंट स्कीम में बेस रेड कैंडी कलर है, जिसे डार्क रेड और ब्लैक कैंडी के साथ लेयर किया गया है। इतना ही नहीं बाइक में हाथ से पेंट की गई चैंपियनशिप गोल्ड पिनस्ट्राइप्स भी हैं, जिसे पेंट करने में करीब 24 घंटे से ज्यादा का समय लगा। इस खास कलर के अलावा बाइक को अलग-अलग एलीट बैजिंग के साथ-साथ अलग-अलग नंबर वाले सेंटर कंसोल से डिजाइन किया गया है।

2024 इंडियन रोडमास्टर एलीट का इंजन

इस बाइक में 1,890cc एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 170 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को मल्टी-प्लेट क्लच के साथ छह-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। इसके फ्रंट में डुअल डिस्क ब्रेक और रियर में सिंगल डिस्क ब्रेक दिया गया है।

इन फीचर्स से लैस है ये बाइक

रोडमास्टर एलीट में LED हेडलाइट्स और सैडलबैग पर असिस्टेंट LED लाइट्स दी गई है। यह पावरबैंड ऑडियो साउंड सिस्टम के साथ आती है, जिसमें फ्रंट फेयरिंग, सैडलबैग और ट्रंक पर 12 स्पीकर दिए गए हैं। इनमें अंडरग्लो लाइटिंग भी दी गई है। इसके अलावा यह स्टोरेज यूनिट वेदरप्रूफ और कंसोल या कीफोब से रिमोट-लॉकिंग के फीचर्स के साथ आती है। इतना ही नहीं यह बाइक सात इंच के डिजिटल डिस्प्ले, क्रूज कंट्रोल, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, जीपीएस नेविगेशन, राइड कमांड+, डिस्प्ले ऐप्पल कारप्ले, बाइक लोकेटर और बाइक हेल्थ जैसे फीचर्स से लैस किया गया है।

हिमालयं 650 हुई टेस्टिंग के दौरान स्पॉट, हो सकती है रॉयल एनफील्ड की सबसे महंगी बाइक

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड अपनी कुछ नई बाइक पर काम कर रही है, जिसमें से एक हिमालयं 650 भी है। इस बाइक को भारत में टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। जिसे देखकर कहा जा सकता है कि इस बाइक की रोड टेस्ट शुरू हो गई है। इसे चेन्नई के पास रॉयल एनफील्ड के प्लांट के आसपास देखा गया है। बाइक पर कंपनी की R&D टेस्ट प्लेट दिखाई दी है। आइए जानते हैं कि यह बाइक किन फीचर्स के साथ आने वाली है।

टेस्टिंग के दौरान बाइक में दिखे ये फीचर्स

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, Himalayan 650 प्रोजेक्ट टेस्टिंग के एडवांस स्टेज में है, क्योंकि स्पॉट की गई बाइक काफी हद तक प्रोडक्शन के लिए तैयार दिखाई दी। बाइक के चारों तरफ लगाए गए पार्ट्स को काफी अच्छे से छिपाया गया है, लेकिन इसे देखकर कहा जा रहा है कि यह प्रोडक्शन लाइन पर आने के लिए तैयार है। बाइक का पिछला हिस्सा थोड़ा खुला हुवा दिखाई दिया, जिसमें ट्रेलिस फ्रेम का थोड़ा सा हिस्सा दिखाई दिया।

इन फीचर्स से लैस होगी Himalayan 650

टेस्टिंग के दौरान स्पॉट हुई बाइक में USD फोर्क्स अपफ्रंट, साइड-स्वेप्ट एग्जॉस्ट, स्प्लिट सीट्स और स्पोक्ड-व्हील्स दिखाई दिए हैं। इसके साथ ही बाइक के फ्रंट सस्पेंशन में एडजस्टमेंट सेटिंग्स दी गई है, जो शायद प्रीलोड, कम्प्रेशन और रिबाउंड के लिए है। बाइक को पीछे की तरफ से देखने पर यह तकरीबन हिमालयन 452 जैसी दिखाई देती है।

इंजन और कीमत की जानकारी

Himalayan 650 रॉयल एनफील्ड के लाइनअप में सबसे महंगी बाइक होने की संभावना है। कहा जा रहा है कि इस बाइक की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 3.8 से 4 लाख रुपये तक हो सकती है। इंजन की बात करें तो इसमें 650cc पैरेलल-ट्विन यूनिट देखने के लिए मिल सकता है, जो 47bhp की पावर और 52Nm का टॉर्क जनरेट करेगा।

जीवन में त्यौहारों का महत्व

विजय गर्ग

भारत में, त्योहार लोगों को उनकी रोजमर्रा की परेशानियों से सिर्फ अस्थायी राहत नहीं दिलाते। ये त्यौहार केवल उत्सव और उपवास के बारे में नहीं हैं, वास्तव में गहरे आंतरिक महत्व से ओत-प्रोत हैं, प्रत्येक त्यौहार एक बहुआयामी उत्सव है। हर त्यौहार का अपना एक महत्व होता है।

भारत मेलों और त्योहारों का देश है। हमारा देश विविधताओं का देश है और यहां विभिन्न धर्मों को मानने वाले विभिन्न समुदाय रहते हैं, इसलिए यहां हर साल नियमित रूप से कई त्योहार मनाए जाते हैं। भारत में, त्योहार लोगों को उनकी रोजमर्रा की परेशानियों से सिर्फ अस्थायी राहत नहीं दिलाते। ये त्यौहार केवल उत्सव और उपवास के बारे में नहीं हैं, वास्तव में गहरे आंतरिक महत्व से ओत-प्रोत हैं, प्रत्येक त्यौहार एक बहुआयामी उत्सव है। हर त्यौहार का अपना एक महत्व होता है। जिस दिन कोई विशेष त्यौहार मनाया जाता है उसका विशेष ज्योतिषीय महत्व होता है और इन दिनों में कुछ विशेष उपाय करने से कई गुना लाभ मिलता है। इन त्योहारों में से कुछ धार्मिक हैं; कुछ ऋतुओं पर आधारित हैं जबकि कुछ राष्ट्रीय महत्व के हैं। सभी त्यौहार रंगीन माहौल में बड़े उत्साह और सद्भाव के साथ मनाए जाते हैं और हर धर्म के लोग इसका आनंद लेते हैं। हमारे देश में मनाया जाने वाला प्रत्येक त्यौहार पुराणों की एक कहानी से भी जुड़ा होता है जो हर त्यौहार के गहरे आध्यात्मिक महत्व के साथ-साथ उत्सव के अंतर्निहित अर्थ की भी जानकारी देता है। ये आम लोककथाओं का हिस्सा हैं और ये कहानियाँ आम लोगों तक इस तरह पहुँचती हैं कि सूखे धार्मिक तथ्य नहीं पहुँच पाते। दिवाली, दशहरा, रक्षा बंधन, ईद-उल-फितर, ईद-उल-जुहा, क्रिसमस, महावीर जयंती, गुरुनानक जयंती, गणेश चतुर्थी आदि भारत के कुछ धार्मिक त्योहार हैं जिनका अपना-अपना महत्व है और कुछ आध्यात्मिक महत्व भी जुड़ा हुआ है। उन्हें। ये त्यौहार अलग-अलग समुदायों द्वारा मनाए जाते हैं लेकिन इन्हें समग्र रूप से मनाया जाता है। हम भारत में हर जगह उत्सव के माहौल के साथ-साथ रंग-बिरंगेपन को भी देख सकते हैं। त्यौहार वास्तव में सिर्फ छुट्टियों के लिए नहीं हैं। प्रत्येक त्यौहार का अपना अर्थ होता है और यह जीवन से खूबसूरती से जुड़ा होता है और हमारे जीवन में ढेर सारी खुशियाँ, रंग और समृद्धि लाता है। त्योहारों के कुछ लाभों में शामिल हैं: हमें अपने धर्म और परंपरा के करीब रखता है सद्भाव को बढ़ावा देता है पिछली पीढ़ियों के संदेश को वर्तमान और भविष्य तक ले जाना त्योहार मनाने से सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा मिलता है हमें विभिन्न धर्मों के बारे में पता चलता है हमारी संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने में मदद करता है परिवार, दोस्तों और समुदाय के साथ इकट्ठा होने और समय बिताने का एक अनूठा अवसर देता है काम के व्यस्त मौसम से तनाव से राहत हमें सामान्य दिनचर्या से बाहर निकलने और रंगीन समय बिताने का समय प्रदान करता है परिवार के सदस्यों और दोस्तों का जमावड़ा जीवन की एकरसता को तोड़ता है चूँकि हमारे बहुत से त्योहारों में विशेष प्रसाद तैयार किया जाता है और गरीबों को दिया जाता है, इसलिए यह उनके लिए खुशियाँ भी लाता है विचारों और समारोहों का सांस्कृतिक आदान-प्रदान सामाजिक संबंध और सामाजिक संचार बनाएं जिससे लोगों में एकता आए भारत में त्यौहार भारत में त्यौहार लोगों के जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और लगभग हर महीने कम से कम एक या दो त्यौहार होते हैं जिन्हें हर कोई उत्साह और धार्मिक उत्साह के साथ मनाता है। हिंदू धर्म में बहुत सारे देवी-देवता हैं। इससे भी बड़ी बात यह है कि हमारे देश में विभिन्न धर्मों के लोग भी रहते हैं, जिसके कारण विभिन्न धर्मों के उत्सव मनाए जाते हैं और हर धर्म के लोग इसका आनंद लेते हैं, जिससे लोगों के बीच एकता को भी बढ़ावा मिलता है। इसलिए, उनमें से प्रत्येक अपनी आध्यात्मिकता के लिए अन्य त्योहारों के अलावा विभिन्न समुदायों के दोस्तों के साथ भी अपना त्योहार मनाएंगे। इसमें कोई शक नहीं कि हर साल बहुत सारे त्यौहार आते हैंभारत में मनाया जाता है. प्रत्येक त्यौहार को बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है और उसका बहुत उत्सुकता से इंतजार किया जाता है। ये त्यौहार केवल उत्सव और दावत के लिए नहीं हैं, वास्तव में, ये त्यौहार विभिन्न रीति-रिवाजों और मान्यताओं को भी साझा करते हैं। इन त्योहारों को दिए जाने वाले महत्व और इन त्योहारों के लिए अपनाई जाने वाली उचित प्रक्रिया के संदर्भ में ये अनुष्ठान बहुत महत्वपूर्ण हैं। प्रत्येक भारतीय त्यौहार का अपना एक महत्व है और साथ ही उत्सव प्रक्रिया में विभिन्न अनुष्ठानों और प्रार्थनाओं का पालन किया जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार कार्यदिवस के हर दिन की एक अलग कहानी है और इन सात दिनों के होने का एक अलग कारण है। हमारे देश में हर धर्म के कुछ त्यौहार होते हैं जो उनकी मान्यताओं के साथ-साथ किसी न किसी पौराणिक घटना से जुड़े होते हैं और उनमें विभिन्न प्रकार के अधिकार और अनुष्ठान शामिल होते हैं। केवल हिंदू त्योहारों के अलावा, कई मुस्लिम त्योहार भी हैं जो अपने स्वयं के अनुष्ठानों का पालन करते हैं और उन्हें अज़ान के रूप में जाना जाता है और यह तब मनाया जाता है जब कोई बच्चा पैदा होता है या नवजात शिशु को पहला स्नान कराने के बाद मनाया जाता है। इस अनुष्ठान का पालन किया जाता है और भगवान से प्रार्थना की जाती है। यह प्रक्रिया इसलिए अपनाई जाती है ताकि बच्चा जो पहला नाम सुने वह भगवान का हो। हर धर्म की अपनी-अपनी मान्यताएँ और रीति-रिवाज हैं। फसल उत्सवः धार्मिक त्योहारों के अलावा फसल उत्सव, मौसमी त्योहार और राष्ट्रीय त्योहार भी हैं जो पूरे देश में बहुत उत्साह और धार्मिक उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। होली, बैसाखी, बसंत पंचमी, बिहू, पोंगल, ओणम आदि मौसमी या फसल उत्सव हैं। होली की भावना रंगों से भरपूर और जीवंत है, हवा में उड़ती है और दोस्तों और प्रियजनों पर अत्यधिक खुशी का संचार करती है। होली पूरे देश में बहुत उत्साह के साथ मनाई जाती है और हर कोई रंग और पानी से खेलना पसंद करता है जो होली का सबसे रोमांचक हिस्सा है। होली सर्दियों के मौसम के अंत और गर्मियों के उज्ज्वल दिनों के आगमन का प्रतीक है। एक अन्य उदाहरण बैसाखी है जो एक फसल उत्सव है जो उत्तर भारत में, विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा में मनाया जाता है, जब रबी की फसल कटाई के लिए तैयार होती है। दक्षिण भारत में इसी अवधि के दौरान 'पोंगल' मनाया जाता है। किसान भरपूर फसल के लिए धन्यवाद देने के लिए सूर्य, पृथ्वी और मवेशियों की पूजा करते हैं। और फिर बसंत पंचमी है. यह सुखद हवा, फूलों और सुगंध के मौसम मीठे वसंत के आगमन का प्रतीक है। इसलिए लोग इस त्योहार को बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाते हैं। राष्ट्रीय त्यौहारः अन्य उत्सवों के साथ-साथ राष्ट्रीय त्यौहार भी हमारे धार्मिक और अन्य त्यौहारों की तरह ही उत्साह और उमंग के साथ मनाये जाते हैं। स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती हमारे राष्ट्रीय त्योहार हैं और पूरे देश में सभी समुदायों द्वारा मनाए जाते हैं। हर साल 15 अगस्त को मनाया जाने वाला स्वतंत्रता दिवस हमें उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने अंग्रेजों को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया था। उन्होंने हमें हमारी लंबे समय से प्रतीक्षित स्वतंत्रता दिलाई और हमें स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए किए गए उनके योगदान और बलिदानों की याद दिलाते हैं। उत्सव को चिह्नित करने के लिए कई समारोह आयोजित किए जाते हैं। देश भर में परेड और ध्वजारोहण समारोह भी आयोजित किए जाते हैं। 26 जनवरी को पड़ने वाला गणतंत्र दिवस भी एक राष्ट्रीय पर्व है और इसे राष्ट्रीय भावना के साथ मनाया जाता है। गणतंत्र दिवस उस दिन को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है जब हमारा संविधान लागू हुआ था। यह त्यौहार हमें इस गर्व से भर देता है कि अब हम एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य में रहते हैंसी देश जिसका अपना संविधान है। इस दिन विजय चौक से रंगारंग परेड शुरू होती है जो लाल किले पर समाप्त होती है। इसी तरह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन 2 अक्टूबर को पड़ने वाली गांधी जयंती भी देशभर में मनाई जाती है। महात्मा गांधी जिन्होंने हमारे स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के संदेश को भी बढ़ावा दिया, उन्हें इस दिन याद किया जाता है, पूरा देश हमारी श्रद्धेय आत्मा को हार्दिक श्रद्धांजलि देता है, जो देश के लिए जिए और मरे। त्यौहार हमारे जीवन को रंगीन और उत्साहपूर्ण बनाते हैं। त्यौहार हमें हमारे नीरस कार्यक्रम से छुट्टी भी दिलाते हैं और लोगों को एक साथ लाते हैं। ये त्योहार हर साल हमें सभी दुर्भावनाओं और सांप्रदायिक नफरत को भुलाने के लिए आते हैं और वास्तव में, ये त्योहार लोगों के बीच बिना किसी द्वेष के एकता की भावना को मजबूत करते हैं। लोग एक-दूसरे से मिलते हैं और उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। इस प्रकार, त्यौहार बहुत महत्वपूर्ण हैं और उन्हें सभी को धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। त्यौहारों का महत्व हम अधिक से अधिक आधुनिक होते जा रहे हैं और हमारे पास अवकाश और मनोरंजक गतिविधियों के लिए समय नहीं बचा है, इसलिए उत्सव काम की एकरसता को तोड़ने और परिवार और दोस्तों के साथ कुछ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने का अच्छा बहाना है। उत्सव कई प्रकार के होते हैं, उनमें से कुछ मज़ेदार और दिलचस्प होते हैं; कुछ पारंपरिक या धार्मिक हैं जबकि कुछ राष्ट्रीय हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे क्या हैं, उत्सव हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और हमें सामान्य दिनचर्या से बाहर निकलने और जीवन का आनंद लेने का अवसर देते हैं। उत्सवों के बिना हम इस जीवन का पूरा आनंद नहीं ले सकते। त्यौहार लोगों के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संपादक की कलम से

'बदइंतजामी के शिकार पैरिस ओलिम्पिक्स' 'न संतोषजनक भोजन, न आवागमन व्यवस्था, ऊपर से चोरियां'

26 जुलाई से शुरू हुए पैरिस ओलिम्पिक्स खेल जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे हैं, इनमें भाग लेने आए 208 देशों के 10,000 से अधिक एथलीटों और उनके साथ आए स्टाफ के लिए सुविधाओं की कमी को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है।

26 जुलाई से शुरू हुए पैरिस ओलिम्पिक्स खेल जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे हैं, इनमें भाग लेने आए 208 देशों के 10,000 से अधिक एथलीटों और उनके साथ आए स्टाफ के लिए सुविधाओं की कमी को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है। भोजन की कमी का कुछ देशों के एथलीटों ने इतना बुरा मनाया है कि वे खेल गांव में पकाए जाने वाले भोजन का बहिष्कार तक करने की सोच रहे हैं। टीम ग्रेट ब्रिटेन (जी.बी.) के खिलाडियों ने खेल गांव में भोजन की अपर्याप्त सप्लाई के कारण वहां खाना खाने की बजाय बाहर से अपने खर्च पर खाना मंगवाने के अलावा इंगलैंड से अपना रसोइया बुला लिया है।

प्रतियोगियों के लिए खेल गांव के सबसे बड़े रेस्तरां में सिर्फ 3500 सीटें होने के कारण भोजन परोसने में बाधा आ रही है। या तो भोजन उपलब्ध नहीं है और यदि उपलब्ध है तो उसे लेने वालों की कतारें बहुत लम्बी हैं। शाकाहारियों को ही नहीं बल्कि मांसाहारियों को भी भोजन की समस्या है और अंडों एवं ग्रिल्ड मीट की सप्लाई मांग के अनुसार न होने के कारण इनकी राशनिंग की जा रही है। जहां तक इन खेलों में शामिल 117 सदस्यीय भारतीय दल का संबंध है, महिला डबल्स बैडमिंटन खिलाड़ी तनिशा के अनुसार, ''एक दिन खिलाडियों को परोसे जाने वाले मैन्यू में राजमां शामिल थे लेकिन हमारे पहुंचने से पहले ही वे समाप्त हो गए तथा उसके बाद दोबारा नहीं लाए गए।''

भारतीय बॉक्सर 'अमित पंगाल' को भी मनपसंद भोजन के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वह काफी समय से दाल-रोटी की डाइट मेनटेन कर रहे हैं जो उन्हें बाहर से मंगवानी पड़ रही है। एक और भारतीय प्रतियोगी के अनुसार, ''खेल गांव से टेबल टैनिस प्रतियोगिता का आयोजन स्थल 45 मिनट की दूरी पर है। लेकिन एक नॉन एयर कंडीशंड बस में यात्रा करना नरक की यात्रा करने जैसा था। खिड़कियां खोलने की अनुमति नहीं थी। बाहर से हवा आने के लिए मात्र एक छोटा सा रोशनदान था और आयोजन स्थल पर पहुंचने से पहले ही मेरा पसीना बहने लगा।''

भारत के एकल टैनिस खिलाड़ी 'सुमित नागल' के अनुसार, ''खेल गांव में रहने, भोजन और आयोजन स्थल तक पहुंचने तक के मामले में मुझे ऐसा कोई भी खिलाड़ी नहीं मिला जो संतुष्टां हो।'' एक भारतीय टेबल टैनिस खिलाड़ी के अनुसार कमजोर बैड्स इतने खराब हैं कि उन पर शुरू में कई रातें तो वह सो ही नहीं पाए। खेल गांव से स्टेडियम तक जाने के लिए भी खिलाडियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गाडियां निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नहीं चलने के कारण भारतीय अधिकारियों ने अपने प्रतियोगियों को समूचे पैरिस में फैले हुए प्रतियोगिता स्थलों तक पहुंचाने के लिए अपने वैकल्पिक वाहनों की व्यवस्था की है।

इस तरह के हालात के बीच भारत के 'शेफ डी मिशन' (टीम के प्रमुख अधिकारी) गगन नारंग ने इस मुद्दे को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया भी है। लगभग 9 बिलियन डॉलर की लागत से आयोजित किए जाने वाले इस खेल समारोह में भाग लेने वाले अनेक प्रतियोगियों को रहने के लिए दिए गए कमरों में दरारें पड़ी हुई हैं। आयोजकों ने एथलीटों के कमरों में एयर कंडीशनर न लगवाने का फैसला किया है जो भले ही पर्यावरण के लिहाज से सही कदम हो पर उनके इस फैसले ने इन दिनों फ्रांस की गर्मी में छोटे-छोटे कमरों में ठहराए गए प्रतियोगियों का पसीना निकलवा दिया है।

चिंतन

वर्ष 2024 में भारत में कई उच्च-स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षाओं में गड़बड़ियों में वृद्धि चिंताजनक है

वर्ष 2024 में भारत में स्नातक के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी यूजी), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी नेट) और सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) सहित कई उच्च-स्तरीय परीक्षाओं में चूक में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है।). इन खामियों ने परीक्षा ढांचे में महत्वपूर्ण कमजोरियों को उजागर किया है और शिक्षा प्रणाली के भीतर विभिन्न हितधारकों, विशेषकर छात्रों पर व्यापक प्रभाव डाला है। नीट यूजी परीक्षा के पेपर लीक की खबरें बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे कई राज्यों से सामने आईं, जहां कथित तौर पर परीक्षा से कुछ घंटे पहले प्रश्नपत्र प्रसारित किए गए थे। इसके अतिरिक्त, सर्वर विफलताओं के कारण देरी और बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणालियों के मुद्दों जैसी कई तकनीकी गड़बड़ियां भी रिपोर्ट की गईं। यूजीसी नेट, जो लेक्चरशिप और रिसर्च फेलोशिप के लिए पात्रता निर्धारित करने के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है, में भी महत्वपूर्ण समस्याओं का सामना करना पड़ा। पूरी तरह से ऑफ़लाइन प्रारूप में परिवर्तन सुचारू रूप से नहीं हुआ। इसके अलावा पेपर लीक की खबरें भी सामने आईं। इसी तरह, स्नातक प्रवेश के लिए CUET को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कुप्रबंधन की कई रिपोर्टें थीं, जिनमें परीक्षा केंद्रों का गलत आवंटन, कार्यक्रम में आखिरी मिनट में बदलाव और प्रश्न पत्रों में त्रुटियां शामिल थीं। इन आवर्ती मुद्दों को कई अंतर्निहित कारणों से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। एक महत्वपूर्ण कारक परीक्षा बुनियादी ढांचे के भीतर तकनीकी अपर्याप्तता है। डिजिटल और कंप्यूटर-आधारित परीक्षण की ओर तेजी से बदलाव प्रौद्योगिकी और साइबर सुरक्षा उपायों में संबंधित उन्नयन से मेल नहीं खा रहा है। कई परीक्षा केंद्र तकनीकी मांगों को संभालने के लिए अपर्याप्त रूप से सुसज्जित हैं, जिससे बार-बार सर्वर क्रैश और सॉफ़्टवेयर विफलताएं होती हैं। इन प्रणालियों का प्रबंधन करने वाले कर्मियों के पास अक्सर उचित प्रशिक्षण का अभाव होता है, जिससे स्थिति और खराब हो जाती है। इन खामियों में प्रशासनिक अक्षमताएं भी अहम भूमिका निभाती हैं। इन परीक्षाओं के केंद्रीकृत प्रबंधन के परिणामस्वरूप अक्सर स्थानीय स्तर पर गलत संचार और खराब समन्वय होता है। इससे एडमिट कार्ड जारी करने में देरी, गलत केंद्र आवंटन और अन्य तार्किक समस्याएं हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, नौकरशाही में देरी और अधिकारियों के बीच जवाबदेही की कमी अक्षमताओं में योगदान करती है, जिससे इन परीक्षाओं का प्रशासन और जटिल हो जाता है। भ्रष्टाचार और कदाचार अन्य गंभीर मुद्दे हैं। इन उच्च जोखिम वाली परीक्षाओं की आकर्षक प्रकृति उन्हें बेईमान तत्वों का निशाना बनाती है। रिश्वतखोरी की घटनाएं, पेपर लीक में संगठित अपराध की संलिप्तता और उम्मीदवारों द्वारा अनुचित साधनों का उपयोग परीक्षा प्रक्रिया की अखंडता से समझौता करता है। इस तरह की प्रथाएं न केवल योग्यता सिद्धांत को कमजोर करती हैं बल्कि शिक्षा प्रणाली में जनता के विश्वास को भी कमजोर करती हैं। हितधारकों पर इन चूकों का प्रभाव गहरा और बहुआयामी है। छात्र, जो प्राथमिक हितधारक हैं, सबसे अधिक पीड़ित हैं। परीक्षा संबंधी कदाचार और प्रशासनिक चूक के कारण उत्पन्न तनाव और अनिश्चितता के गंभीर मनोवैज्ञानिक प्रभाव हो सकते हैं। एक अनुचित और अविश्वसनीय प्रणाली में प्रदर्शन करने का दबाव चिंता, अवसाद और चरम मामलों में आत्मघाती प्रवृत्ति को जन्म दे सकता है। उनकी कड़ी मेहनत और उपलब्धियों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया जाता है, जिससे हतोत्साहन और मोहभंग होता है। माता-पिता, कौनअपने बच्चों की शिक्षा में महत्वपूर्ण भावनात्मक और वित्तीय संसाधनों का निवेश भी गहराई से प्रभावित होते हैं। बार-बार होने वाली परीक्षाओं, अतिरिक्त कोचिंग और विवाद की स्थिति में संभावित कानूनी फीस का वित्तीय बोझ काफी है। इन परीक्षाओं की देखरेख करने वाले नियामक निकायों को परीक्षा प्रक्रिया की अखंडता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए भारी दबाव का सामना करना पड़ता है। बार-बार होने वाली खामियाँ वर्तमान नियामक ढांचे में अपर्याप्तताओं और व्यापक सुधारों की आवश्यकता को उजागर करती हैं। इन निकायों को यह सुनिश्चित करते हुए सार्वजनिक विश्वास बहाल करने का कठिन काम सौंपा गया है कि भविष्य की परीक्षाएं सुचारू और निष्पक्ष रूप से आयोजित की जाएं। तकनीकी प्रगति को लागू करने, प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार करने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का दबाव बहुत अधिक है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। तकनीकी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना सर्वोपरि है। इसमें हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर सिस्टम को अपग्रेड करना और लीक और अन्य कदाचार को रोकने के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना शामिल है। सिस्टम के नियमित ऑडिट और तनाव परीक्षण कमजोरियों की पहचान करने और उन्हें सुधारने में मदद कर सकते हैं। इन प्रणालियों का प्रबंधन करने वाले कर्मियों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता-निर्माण भी उतना ही महत्वपूर्ण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे तकनीकी समस्याओं के उत्पन्न होने पर उन्हें प्रभावी ढंग से संभाल सकें। प्रशासनिक सुधार भी जरूरी है. परीक्षा प्रक्रिया के कुछ पहलुओं को विकेंद्रीकृत करने से दक्षता और जवाबदेही में सुधार हो सकता है। प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण के साथ-साथ स्पष्ट प्रोटोकॉल और दिशानिर्देश स्थापित करने से त्रुटियों को कम करने और परीक्षाओं के समग्र प्रबंधन में सुधार करने में मदद मिल सकती है। परीक्षा केंद्रों के आवंटन और प्रवेश पत्र जारी करने में अधिक पारदर्शिता लाने से भी भ्रम और त्रुटियों को कम करने में मदद मिल सकती है। भ्रष्टाचार से निपटने के लिए एक मजबूत नियामक ढांचे और भ्रष्टाचार विरोधी उपायों को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है। इसमें न केवल कदाचार में शामिल लोगों को दंडित करना शामिल है, बल्कि उन्नत निगरानी, सख्त सत्यापन प्रक्रियाओं और सुरक्षित और छेड़छाड़-प्रूफ रिकॉर्ड रखने के लिए ब्लॉकचेन जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग जैसे निवारक उपायों को लागू करना भी शामिल है। छात्रों का मनोवैज्ञानिक कल्याण सुनिश्चित करना एक और महत्वपूर्ण पहलू है। छात्रों के लिए परामर्श सेवाएँ और सहायता प्रणालियाँ प्रदान करने से उन्हें इन खामियों से जुड़े तनाव और चिंता से निपटने में मदद मिल सकती है। छात्रों और अभिभावकों को उपलब्ध संसाधनों के बारे में शिक्षित करना और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में स्वस्थ संवाद को प्रोत्साहित करना परीक्षा-संबंधी तनाव के प्रतिकूल प्रभावों को कम कर सकता है।

- विजय गर्ग

'यह है! भारत देश हमारा' कदम-कदम पर हो रहा रिश्तों का खून

भारतीय समाज में नैतिक पतन बढ़ता जा रहा है और चंद लोग रिश्तों की मर्यादा को तार-तार करके मानवता को लहू-लुहान और कलंकित कर रहे हैं।

भारतीय समाज में नैतिक पतन बढ़ता जा रहा है और चंद लोग रिश्तों की मर्यादा को तार-तार करके मानवता को लहू-लुहान और कलंकित कर रहे हैं। इसके पिछले मात्र एक सप्ताह के चंद उदाहरण निम्न में दर्ज हैं :

● 26 जुलाई को सांगली (महाराष्ट्र) के एक पूर्व सैनिक ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर एक जनहित याचिका में बताया कि 2019 और 2021 के बीच महाराष्ट्र में एक लाख लड़कियां लापता हुई हैं। याचिका में कहा गया कि यदि इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाए तो इससे महिलाओं के शोषण या उनका जबरन धर्म परिवर्तन करके दूसरे धर्म के लोगों के साथ विवाह करवाने जैसे मामलों का पता चल सकता है।

● 26 जुलाई को ही फिरोजपुर में एक युवक के विरुद्ध अपनी साढ़े 16 वर्षीय नाबालिग बहन से बलात्कार करने के आरोप में केस दर्ज किया गया। पीड़िता के अनुसार माता-पिता ने उसके जन्म के 5 दिन बाद ही उसे उसकी बुआ और फूफा को गोद दे दिया था।

● 27 जुलाई को अधिकारियों ने सिंधुदुर्ग (महाराष्ट्र) के जंगल में पेड़ से बंधी एक महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जो 4 दिनों के इलाज के बाद भी बोलने में असमर्थ थी। उसने लिख कर बताया कि उसका पूर्व पति एक इंजैक्शन लगाने के बाद उसे मारने के इरादे से एक जंजीर के साथ पेड़ से बांध कर चला गया था। इंजैक्शन के प्रभाव से उसका जबड़ा और मांसपेशियां अकड़ गईं।

● 27 जुलाई को ही रीवा (मध्य प्रदेश) में 3 बहनों के इकलौते लाडले 13 वर्षीय भाई द्वारा अश्लील फिल्म देख कर अपनी सबसे छोटी 9 वर्षीय बहन से ही बलात्कार करके उसकी हत्या कर देने के मामले को दबाने में मदद करने वाली उसकी मां और 2 बड़ी बहनों को पुलिस ने हिरासत में लिया।

● 27 जुलाई को ही नई दिल्ली के मुंडका में बेटी की चाहत न होने के कारण एक महिला ने अपनी 9 वर्षीय बेटी की गला रेत कर हत्या कर दी।

● 27 जुलाई को ही शहडोल (मध्य प्रदेश) में 'गीत कौल' नामक बेऔलाद महिला को अपनी भाभी से गोद लिए 4 वर्षीय मासूम बच्चे को उसकी किसी गलती पर यातना देने के लिए बुरी तरह पीटने और फिर उसके शरीर के कई हिस्सों को गर्म तवे से दागने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

● 28 जुलाई को दिल्ली के द्वारका इलाके में एक व्यक्ति ने रुपए-पैसों को लेकर हुए विवाद में अपनी पत्नी को चाकू घोंपने के बाद बीच-बचाव करने आई बेटी को भी चाकू घोंप दिया जिससे दोनों की मौत हो गई।

● 30 जुलाई को बदायूं (उत्तर प्रदेश) में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को मारने की मंशा से मकान की छत से नीचे धक्का दे दिया लेकिन जब वह जिंदा बच गई तो उसे डंडों से पीट-पीट कर मार डाला। महिला दिल्ली में काम करने वाले अपने पति के साथ रहने की जिद कर रही थी।

● 30 जुलाई को ही भिवंडी (महाराष्ट्र) में पुलिस ने एक 60 वर्षीय व्यक्ति को अपनी 15 वर्षीय भतीजी से बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

● 31 जुलाई को रोहतास (बिहार) के चंदनपुरा पंचायत के गांव तिलौथू में एक युवक द्वारा अपनी 14 वर्षीय नाबालिगा चचेरी बहन से बलात्कार करके उसे गर्भवती किए जाने का मामला सामने आने पर पीड़िता के परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

● 1 अगस्त को फिल्लौर (पंजाब) में एक कलियुगी बहू की शर्मनाक करतूत का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वह अपनी 95 वर्षीय बुजुर्ग सास के ऊपर बैठ कर उसे बुरी तरह पीटती दिखाई दे रही थी। पिटाई से उसकी हालत खराब हो जाने के कारण उसके बेटे ने अपनी मां को सिविल अस्पताल में दाखिल करवाया। अपनी करतूत वायरल होने के बाद से आरोपी महिला घर से फरार है।

● 2 अगस्त को भुवनेश्वर (ओडिशा) की एक अदालत ने 'संजीत दास' नामक एक व्यक्ति को 2 वर्ष पूर्व अपनी पत्नी की चाकू घोंप कर हत्या करने और 6 वर्षीय बेटी की गला रेत कर हत्या करने की कोशिश करने के अपराध में मौत की सजा सुनाई।

उक्त घटनाएं मांग करती हैं कि समाज के सूझवान लोग, विशेषकर बुजुर्ग इस मामले में आगे आकर लोगों को शिक्षित करें। हमारे संत-महात्मा, मुनि आदि जिनका समाज में सम्मान है, भी लोगों से कोई भी अनैतिक काम न करने का प्रण लें। इसके साथ ही इस तरह के आचरण में संलिप्त लोगों को कठोरतम दंड देने की भी जरूरत है।

क्या शेयर बाजार के लिए ब्लैक होगा मंडे ? अमेरिका में हाहाकार ने बढ़ाई चिंता

परिवहन विशेष न्यूज

अमेरिका में मंदी आने की आशंका जताई जा रही है। ईरान और इजरायल के बीच तनाव भी बढ़ रहा है। कंपनियों के तिमाही भी उम्मीद से कमजोर आ रहे हैं। इन सबके चलते ब्लैक मंडे की आशंका जताई जा रही है यानी सोमवार को भारतीय शेयर मार्केट में भारी गिरावट होगी। एक्सपर्ट का भी मानना है कि शेयर बाजार का मूल्यांकन काफी अधिक है और इसमें करेक्शन हो सकता है।

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली दिखी। दोनों सूचकांक यानी सेंसेक्स और निफ्टी एक फीसदी से अधिक गिरावट के साथ बंद हुए। इसकी सबसे बड़ी वजह वैश्विक बाजारों का रुझान रहा, जो लाल निशान में कारोबार थे। सबसे अधिक चिंता अमेरिकी शेयर बाजार ने बढ़ाई, जहां आर्थिक जानकार मंदी की आशंका जता रहे हैं।

कैसा रहेगा कारोबारी माहौल ?

एक्सपर्ट का कहना है कि इस हफ्ते कई फैक्टर शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। सबसे ज्यादा नजरें रिजर्व बैंक की मौद्रिक समिति की बैठक पर। पिछले दिनों अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में कटौती के संकेत दिए। बैंक ऑफ इंग्लैंड (BoE) तो ब्याज दरों में कटौती कर भी चुका है। ऐसे में निवेशकों की नजर आरबीआई के फैसले पर रहेगी कि वह नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव करता है या नहीं।

कंपनियों के तिमाही नतीजे भी मार्केट की दिशा तय करने में अहम फैक्टर साबित होंगे। अब तक कंपनियों के जून तिमाही के वित्तीय नतीजे कुछ खास नहीं रहे। यही वजह है कि निवेशक भी पूंजी लगाने से बच रहे हैं और शेयरों में गिरावट आ रही है। साथ ही, ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ने की आशंका है। इससे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है। इस फैक्टर पर भी निवेशकों की नजरें रहेंगी।

क्या ब्लैक होगा मंडे ?

अमेरिका में मंदी की आशंका के बीच भारतीय निवेशक काफी चिंतित हैं। सोशल मीडिया पर कई लोग ब्लैक मंडे का अंदेशा जता रहे हैं यानी सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में भारतीय गिरावट आएगी। हालांकि, अमेरिका में मंदी की आशंका का कारण है बेरोजगारी और इससे जुड़ा है Sahm Rule। यह रूल कहता है कि तीन महीने की बेरोजगारी दर पिछले 12 महीने की न्यूनतम दर से 0.5 फीसदी ज्यादा है, तो मंदी आती है। 1970 से यह फार्मूला सही साबित हुआ है।

लेकिन, यह Rule बनाने वाली Claudia Sahm सिर्फ बेरोजगारी के आंकड़े के आधार पर मंदी की आशंका को गलत बताती हैं। उनका कहना है कि कोरोना काल के बाद हालात बदले हैं और अब अधिक लोग रोजगार खोज रहे हैं, इसलिए आंकड़े निराशानजक हैं। अमेरिकी फेड रिजर्व के जेरॉम पॉवेल का भी कहना है कि लेबर मार्केट नॉर्मल हो रहा है और उनकी हालात पर बारीक नजर है।

क्या है एक्सपर्ट की राय

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड में रिसर्च हेड का कहना है कि इस हफ्ते सारा दारोमदार वैश्विक बाजारों पर ही रहेगा। उन्होंने कहा, 'दुनियाभर के बाजार काफी लंबे समय से स्थिर रहे। लेकिन, अब उनमें कमजोरी के कुछ संकेत दिख रहे हैं। यह भारतीय बाजार की मजबूती का इम्तिहान भी होगा, जो बेहतर लिक्विडिटी के चलते अभी तक जुझारू बना हुआ है।'

वहीं, जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'भारतीय शेयर मार्केट का मूल्यांकन अधिक है। इसके चलते बाजार में कुछ कमजोरी आ सकती है। आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक से ब्याज दरों पर स्थिति कुछ साफ हो सकती है। हालांकि, अभी केंद्रीय बैंक ब्याज दरों पर यथास्थिति बरकरार रख सकता है।'

ब्याज दरों में कमी के लिए लंबा हो सकता है इंतजार

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास आठ अगस्त को एमपीसी के फैसलों की जानकारी देंगे। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने बीते सप्ताह हुई बैठक में अपनी ब्याज दरों पर यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया है। साथ ही संकेत दिया है कि आने वाले महीनों में मौद्रिक नीति में ढील दी जा सकती है। एमपीसी भी दर में कटौती से परहेज कर सकती है।

नई दिल्ली। ब्याज दरों में कमी करने वालों का इंतजार और लंबा हो सकता है। विशेषज्ञों ने अनुमान जताया है कि इस सप्ताह होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में भी आरबीआई रेपो रेट को एक बार फिर 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रख सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्रीय बैंक रेपो रेट में कटौती करने से पहले अधिक व्यापक आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर सकता है। एमपीसी की बैठक 6-8 अगस्त तक होगी।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास आठ अगस्त को एमपीसी के फैसलों की जानकारी देंगे। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने बीते सप्ताह हुई बैठक में अपनी ब्याज दरों पर यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया है। साथ ही संकेत दिया है कि आने वाले महीनों में मौद्रिक नीति में ढील दी जा सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि महंगाई का दबाव बने रहने के बीच आरबीआई ब्याज दर पर अपना रुख बदलने से पहले अमेरिकी मौद्रिक नीति पर बारीकी से नजर रखेगा।

एमपीसी भी दर में कटौती से परहेज कर सकती है। इसका कारण यह है कि भले ही ब्याज दर 6.5 प्रतिशत (रेपो रेट) तक बढ़ा दी गई हो, लेकिन आर्थिक वृद्धि अच्छी बनी है।बैंक आफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने उम्मीद जताई है कि आगामी नीतिगत समीक्षा में आरबीआई यथास्थिति बनाए रखेगा।

महंगाई आज भी 5.1 प्रतिशत के उच्चस्तर पर बनी हुई है और आने वाले महीनों में इसमें संख्यात्मक रूप से कमी आएगी, लेकिन आधार प्रभाव के कारण यह अधिक बनी रहेगी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में उच्च वृद्धि, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 4.9 प्रतिशत की महंगाई के साथ मिलकर यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में रुख बना रही है। उन्होंने कहा कि अगस्त की बैठक में रुख में बदलाव या दर में कटौती की गुंजाइश नहीं लग रही है।

वॉरेन बफे की कंपनी ने एपल में 50 फीसदी तक घटाई हिस्सेदारी, क्या मंदी के डर से बेचे शेयर?

वॉरेन बफे ने ऐसे वक्त में शेयर बेचे थे जब SP-500 इंडेक्स ने जुलाई के दौरान अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ था। हालांकि अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े शेयर थक रहे हैं। उनमें लगातार करेक्शन भी हो रहा है। पिछले 3 हफ्तों से इंडेक्स लगातार गिरावट के साथ बंद हुआ है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था से जुड़ी चिंताओं के चलते शेयर मार्केट लगातार फिसल रहा है।

नई दिल्ली। अमेरिकी अरबपति और दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे (Warren Buffett) की कंपनी बर्कशायर हैथवे इंक (Berkshire Hathaway Inc) ने आईफोन और मैकबुक बनाने वाली एपल (Apple) में अपनी हिस्सेदारी को करीब 50 फीसदी तक कम कर लिया है। इस भारी बिकवाली की बदौलत वॉरेन बफे के पास मौजूद कैश भंडार अब 276.9 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

कई और कंपनियों में बेची हिस्सेदारी

कई आर्थिक जानकार अमेरिका में मंदी आने की आशंका जता रहे हैं। पिछले कुछ कारोबारी सत्र के दौरान अमेरिकी शेयर मार्केट में भारी गिरावट भी आई है। इस बात को शायद वॉरेन बफे पहले ही भांप लिया था और उन्होंने पिछली तिमाही में कई कंपनियों में हिस्सेदारी घटाने और अपना कैश भंडार बढ़ाने पर फोकस किया।

बर्कशायर हैथवे ने शनिवार (3 अगस्त) को बताया कि उसने दूसरी तिमाही के दौरान कई कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बेची है। इससे कंपनी को कुल 75.5 अरब डॉलर मिले हैं। हालांकि, बर्कशायर हैथवे ने यह साफ नहीं किया कि उसने एपल में कितने शेयर बेचे हैं।

मंदी की आशंका से पहले बिक्री

वॉरेन बफे ने ऐसे वक्त में शेयर बेचे थे, जब S&P-500 इंडेक्स ने जुलाई के दौरान अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ था। हालांकि, अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े शेयर थक रहे हैं। उनमें लगातार करेक्शन भी हो रहा है। पिछले 3 हफ्तों से इंडेक्स लगातार गिरावट के साथ बंद हुआ है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था से जुड़ी चिंताओं के चलते शेयर मार्केट लगातार फिसल रहा है।

बफे ने मई में शेयरधारकों की बैठक में कहा था कि उन्होंने अमेरिकन एक्सप्रेस कंपनी और कोका-कोला में भी निवेश कर रखा है। लेकिन, एपल कहीं बेहतर बिजनेस वाली कंपनी है। उस वक्त बफे ने कहा था कि एपल उनके पोर्टफोलियो की टॉप होल्डिंग्स कंपनी बनी रहेंगी। ऐसे में कई जानकार समझ नहीं पा रहे कि बफे ने एपल में अपनी हिस्सेदारी क्यों घटाई है।

पेंशन का लाभ पाने के लिए कौन-सी स्कीम है बेहतर, दोनों में क्या है

पेंशन का लाभ लेने के लिए सरकार की दो स्कीम अटल पेंशन योजना और नेशनल पेंशन सिस्टम आपके काम आ सकती हैं। हालांकि कौन-सी स्कीम को अपनाया जाए यह एक बड़ा सवाल है। अगर आप भी रिटायरमेंट के लिए किसी सरकारी स्कीम में निवेश का सोच रहे हैं तो अपने लिए सही स्कीम को चुना जाना जरूरी है। दोनों ही स्कीम को लेकर अंतर समझना जरूरी है।

नई दिल्ली। पेंशन का लाभ लेने के लिए सरकार की दो स्कीम अटल पेंशन योजना और नेशनल पेंशन सिस्टम खासी लोकप्रिय हैं। ये दोनों ही स्कीम रिटायरमेंट से जुड़ी हैं। हालांकि, ये दोनों ही स्कीम एक-दूसरे से अलग हैं। अगर आप भी रिटायरमेंट के लिए किसी सरकारी स्कीम में निवेश का सोच रहे हैं तो अपने लिए सही स्कीम को चुना जाना जरूरी है। इस आर्टिकल में सरकार की दोनों ही अटल पेंशन योजना और नेशनल पेंशन सिस्टम को लेकर अंतर बता रहे हैं, ताकि आप अपनी सुविधा के मुताबिक, सही स्कीम चुन सकें-

अटल पेंशन योजना और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली

भारत सरकार द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, अटल पेंशन योजना के तहत 60 साल की उम्र में पेंशनर को 1 हजार-5 हजार रुपये प्रति माह पेंशन दी जाती है।

इसी तरह, सरकार ने भारतीय नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली शुरू की। एनपीएस में मिलने वाली पेंशन की राशि, रिटायरमेंट के समय जमा की गई कुल राशि के 40% हिस्से पर निर्भर करती है। खाते से 60 साल की उम्र में पेंशन पाने के लिए, जमा की गई राशि का कम से कम 40% हिस्सा वार्षिकी खरीदने में लगाना होता है। इसके बाद, 1,000 रुपये प्रति महीने की पेंशन मिलने की कोशिश की जाती है।

अटल पेंशन योजना और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में अंतर

अटल पेंशन योजना और नेशनल पेंशन सिस्टम में अंतर को अलग-अलग बातों के आधार पर समझ सकते हैं-

अटल पेंशन योजना

- वे भारतीय नागरिक जिनके पास पेंशन योजना नहीं है, उनके लिए अटल पेंशन योजना है। इस योजना का लाभ 18 से 40 वर्ष की आयु के व्यक्ति ले सकते हैं।
- अटल पेंशन योजना में सरकार

रिटायरमेंट के बाद पेंशन की गारंटी देती है।

- अटल पेंशन योजना में व्यक्ति को 20 वर्षों तक योगदान देना होता है।
- इस योजना में अधिकतम योगदान 5000 रुपये प्रति महीना है।
- इस योजना के तहत लाभार्थी को 1,000 रुपये से 5,000 रुपये मासिक के बीच पेंशन मिलती है।
- इस योजना में लाभार्थी को परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर नहीं मिलता है।
- इस स्कीम में नॉमिनी अनिवार्य है और कोई भी व्यक्ति नॉमिनी हो सकता है।

नेशनल पेंशन सिस्टम

- इस योजना का लाभ 18 से 70 वर्ष की आयु के व्यक्ति ले सकते हैं। यह स्कीम भारतीय नागरिकों और अनिवासी भारतीयों के लिए है।
- नेशनल पेंशन सिस्टम में योगदान की कोई लिमिट तय नहीं की गई है।
- स्कीम में पेंशन की राशि भुगतान किये गये अंशदान और निवेश रिटर्न पर निर्भर करती है।
- इस स्कीम में नॉमिनी अनिवार्य है और वे पति या पत्नी नहीं होने चाहिए
- इस योजना में लाभार्थी को परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर मिलता है।

इनकम टैक्स रिफंड का कर रहे हैं इंतजार! चार नियमों को जानना आपके लिए जरूरी

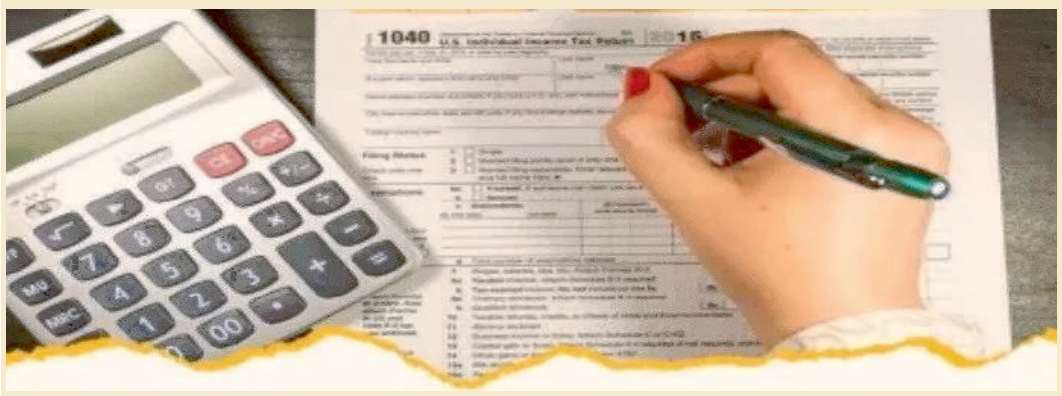

31 जुलाई 2024 तक AY 2024-25 के लिए 7.28 करोड़ से अधिक आईटीआर (ITR) दाखिल किए गए जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दाखिल किए गए AY 2023-24 के 6.77 करोड़ ITR से 7.5% अधिक है। टैक्सपेयर्स को सलाह दी जाती है कि वे फाइल किए जाने के 30 दिनों के भीतर असत्यापित आयकर रिटर्न को सत्यापित कर लें।

नई दिल्ली। आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई रखी गई थी। इसी कड़ी में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से आईटीआर फाइलिंग को लेकर जानकारी दी गई है। डेटा के मुताबिक, 31 जुलाई, 2024 तक AY 2024-25 के लिए 7.28 करोड़ से अधिक ITR दाखिल किए गए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दाखिल किए गए AY 2023-24 के 6.77 करोड़ ITR से 7.5% अधिक है। टैक्सपेयर्स को सलाह दी जाती है कि वे फाइल किए जाने के 30 दिनों के भीतर असत्यापित आयकर रिटर्न को सत्यापित कर लें। वे टैक्सपेयर जो अपने आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा से चूक गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द अपना सबमिशन पूरा कर लेना चाहिए।

हालांकि, अगर आप आईटीआर फाइल कर चुके हैं तो अब रिफंड का इंतजार भी कर रहे होंगे। रिफंड का इंतजार करने से पहले आईटीआर से जुड़े नियमों को लेकर जानकारी होना भी जरूरी होगा। इस आर्टिकल में आपको आईटीआर से जुड़े चार नियमों के बारे में ही बता रहे हैं-

खाते में आएगा रिफंड

रिफंड की प्रक्रिया तभी आगे बढ़ती है जब टैक्सपेयर अपना रिटर्न ई-सत्यापित कर देता है। इसी के साथ अमूमन रिफंड टैक्सपेयर के खाते में आने में 1 महीने की अवधि लगती है। रिटर्न वेरिफाई करने के बाद से ही यह समय शुरू होता है।

बैंक डिटेल्स ठीक होना जरूरी

रिफंड के लिए टैक्सपेयर तब पात्र होता है जब चुकाया गया कर उसकी देनदारी से ज्यादा होता है। इसमें, टीडीएस, टीसीएस, एडवांस टैक्स और सेल्फ एसेसमेंट टैक्स शामिल होता है। यह रिफंड टैक्सपेयर के खाते में आता है, इसलिए बैंक डिटेल्स का ठीक होना और भी जरूरी हो जाता है।

31 जुलाई की तारीख हो गई मिस

वे टैक्सपेयर्स जो 31 जुलाई की तारीख मिस कर गए हैं वे छह मूल्यांकन वर्षों (six assessment years) तक अपने रिफंड का दावा कर सकते हैं। हालांकि, रिफंड का दावा करने के लिए पहले देरी की माफी के लिए आवेदन करना होगा। स्वीकृति मिलने के बाद, आईटीआर ऑनलाइन दाखिल कर सकते हैं।

बकाया मांग के लिए रिफंड हो सकता है एडजस्ट

इनकम टैक्स कानून के तहत आयकर विभाग पिछले वर्षों की किसी भी बकाया मांग को देखते हुए रिफंड को एडजस्ट कर सकता है। हालांकि, ऐसा करने से पहले टैक्सपेयर को सूचित किया जा सकता है। अगर टैक्सपेयर को लगता है विभाग ने इस एडजस्टमेंट को ठीक से नहीं किया है तो आयकर वेबसाइट पर शिकायत दर्ज की जा सकती है।

UAN ऑनलाइन कर सकते हैं पता, बस करना होगा छोटा-सा काम

नौकरी करने के साथ सैलरी का एक हिस्सा हाथ में आता है तो एक हिस्सा पीएफ में जुड़ने लगता है।

नई दिल्ली। हर नौकरीपेशा व्यक्ति को उसकी सैलरी का कुछ हिस्सा हाथ में मिलता है तो कुछ हिस्सा पीएफ खाते में जुड़ता है। पीएफ यानी कर्मचारी भविष्य निधि, यह भारत में एक बचत और सेवानिवृत्ति निधि है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद भी वित्तीय सुरक्षा देना है। उम्र की एक सीमा के बाद जब व्यक्ति नौकरी कर घर परिवार का खर्च नहीं चला सकता है, तब वह अपना और अपने परिवार का ख्याल जिंदगी भर नौकरी से कमाए इन पैसों के साथ रख सकता है। दरअसल, पीएफ कर्मचारी और नियोक्ता दोनों का योगदान होता है।

यूएएन नंबर की जानकारी

यूएएन यानी यूनिवर्सल अकाउंट नंबर पता हो तो उमंग ऐप की मदद से कभी भी पीएफ बैलेंस चेक किया जा सकता है। हालांकि, कई बार पीएफ नंबर की ही जानकारी नहीं होती। यूएएन नंबर एक्टिव तो होता है लेकिन यूनिवर्सल अकाउंट नंबर कहीं सेव नहीं होता। अच्छी बात ये है कि अगर आप अपना यूएएन नंबर भूल गए हैं तो ऑनलाइन इसे कुछ ही सेकेंड्स में पा सकते हैं। इसके लिए कर्मचारी भविष्य निधि की ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट करने पर की जरूरत होती है।

73.50 रुपये का डिविडेंड देगी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, रिकॉर्ड डेट का भी एलान

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज देश की दिग्गज फूड प्रोडक्ट्स कंपनी है। यह नुस्ली वाडिया के नेतृत्व वाले वाडिया समूह का हिस्सा है। ब्रिटानिया बिस्किट डेयरी प्रोडक्ट और स्नैक्स से लेकर केक रस्क और ब्रेड तक बनाती है। गुड-डे और मैरीगोल्ड जैसे बिस्किट ब्रांड ब्रिटानिया के ही हैं। कंपनी ने अपने शेयरहोल्डर्स के लिए 73.50 रुपये के बंपर फाइनल डिविडेंड का एलान किया है।

नई दिल्ली। फूड प्रोडक्ट बनाने वाली ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज अपने शेयरहोल्डर्स को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 73.50 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने वाली है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 5 अगस्त 2024 तय की गई है। इसका मतलब कि अगर आपके पास 5 अगस्त तक ब्रिटानिया के शेयर रहेंगे, तो आपको डिविडेंड मिलेगा।

Britannia के शेयरों का हाल

ब्रिटानिया के स्टॉक शुक्रवार (2 अगस्त) को बीएसई पर 0.39 फीसदी के उछाल के साथ 5,751.00 रुपये पर बंद हुए। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में 12 और एक साल में करीब 20 फीसदी का उछाल आया है। कंपनी का मार्केट कैप 1.38 लाख करोड़ रुपये है। जून 2024 के आखिर तक कंपनी में प्रमोटर्स के पास 50.55 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इसमें विदेशी और घरेलू संस्थागत की अच्छी-खासी हिस्सेदारी है।

क्या करती है ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज देश की दिग्गज फूड प्रोडक्ट्स कंपनी है। यह नुस्ली वाडिया के नेतृत्व वाले वाडिया समूह का हिस्सा है। ब्रिटानिया बिस्किट, डेयरी प्रोडक्ट और स्नैक्स से लेकर केक, रस्क और ब्रेड तक बनाती है। गुड-डे और मैरीगोल्ड जैसे बिस्किट ब्रांड ब्रिटानिया के ही हैं। टाइगर, न्यूट्रीचॉइस, गुड डे, 50 50, ट्रीट, प्योर मैजिक, मिल्क बिकिस, बॉर्बन, नाइस टाइम और लिटिल हार्ट्स शामिल हैं।

कैसा है ब्रिटानिया का वित्तीय प्रदर्शन

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज का जून तिमाही में कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 10.85 फीसदी का उछाल आया और यह 504.88 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 455.45 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। जून 2024 तिमाही में उत्पाद बिक्री से रेवेन्यू सालाना आधार पर 4.03 प्रतिशत बढ़कर 4,129.92 करोड़ रुपये हो गया।

वहीं, ऑपरेशनल इनकम 5.97 प्रतिशत बढ़कर 4,250.29 करोड़ रुपये पहुंच गई। कुल खर्च की बात करें, तो यह 4.46 प्रतिशत बढ़कर 3,599.51 करोड़ रुपये हो गया।

दुनिया का सबसे भयानक रेल हादसा

जिसमें 1700 लोगों की हुई थी दर्दनाक मौत

परिवहन विशेष न्यूज

हाल ही में भारत में कई दुखद रेल दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें कई निर्दोष लोगों की जान चली गई और बहुत से लोग घायल हो गए। यह हादसे देश के लिए गहरी पीड़ा का कारण बने हैं। हालांकि, आज हम दुनिया के सबसे खौफनाक रेल हादसे के बारे में विस्तार से जानेंगे,

नई दिल्ली। हाल ही में भारत में कई दुखद रेल दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें कई निर्दोष लोगों की जान चली गई और बहुत से लोग घायल हो गए। यह हादसे देश के लिए गहरी पीड़ा का कारण बने हैं। हालांकि, आज हम दुनिया के सबसे खौफनाक रेल हादसे के बारे में विस्तार से जानेंगे, जिसे सुनकर आपकी रूह कांप उठेगी। यह हादसा इतना भयावह था कि इसमें करीब 1700 लोगों की जान चली गई थी। यह हादसा 2004 में श्रीलंका में हुआ था और इसे ₹सूनामी ट्रेन डिजास्टर₹ के नाम से जाना जाता है। आइए जानते है इस घटना को विस्तार से...

2004 श्रीलंका ट्रेन डिजास्टर

26 दिसंबर 2004 को, हिंद महासागर में एक भयानक भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 9.1-9.3 मापी गई थी। यह भूकंप अब तक के सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक था। इस भूकंप के कारण उत्पन्न सूनामी ने श्रीलंका सहित कई देशों में भयंकर तबाही मचाई। द क्वीन ऑफ द सी नामक एक पैसेंजर ट्रेन, जो ओशन क्वीन एक्सप्रेस के नाम से भी जानी जाती थी, वह सुनामी की चपेट में आ गई।

कोलंबो से गाले की ओर जा रही थी

यह ट्रेन राजधानी कोलंबो से गाले की ओर जा रही थी और इसमें करीब 1700 यात्री सवार थे। जब ट्रेन पेरालिया गाँव के पास पहुँची, तब अचानक विशाल सूनामी की लहरें तट से टकराई। ट्रेन को पहली लहर ने प्रभावित किया, जिससे उसके आस-पास की बस्ती में पानी भर गया। कुछ ही मिनटों बाद दूसरी और तीसरी लहरें आईं, जो पहले से भी अधिक शक्तिशाली थीं। इन लहरों ने ट्रेन को पटरी से उतार दिया और उसे ध्वस्त कर दिया। इस भयानक दुर्घटना ने पूरे देश को शोक में डुबो दिया।मृतकों की याद में कई श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की गईं।

इस हादसे के बाद श्रीलंका रेलवे ने अपनी सुरक्षा व्यवस्थाओं में सुधार किया और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सचेत रहने के उपाय अपनाए। 2004 श्रीलंका ट्रेन डिजास्टर न केवल एक रेल हादसा था, बल्कि यह एक प्राकृतिक आपदा का भी परिणाम था। इस घटना ने दुनियाभर को प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सचेत किया और यह सिखाया कि ऐसी आपदाओं से निपटने के लिए पहले से ही तैयार रहना कितना महत्वपूर्ण है। इस भयानक प्राकृतिक आपदा ने श्रीलंका में एक ऐसा दृश्य उत्पन्न किया जो सदियों तक लोगों के जेहन में रहेगा।

पूरी की पूरी ट्रेन ही समुद्र में समा गई

सुनामी की विशाल लहरों ने श्रीलंका के तटीय इलाकों को तबाह कर दिया।सुनामी की विशाल लहरें इतनी शक्तिशाली थीं कि पूरी की पूरी ट्रेन को ही समुद्र में समा गई। यह हादसा तेलवट्टा के पास पेरालिया में स्थित दक्षिण-पश्चिमी तटीय रेलवे लाइन पर यह हादसा हुआ था। ट्रेन के आठ डिब्बे पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए थे। इस हादसे में हजारों लोग बेघर हो गए और कई बच्चे अनाथ हो गए थे। सुनामी की विनाशकारी शक्ति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि तेलवट्टा समुदाय के लाखों लोग भी पानी में डूब गए थे। सुनामी ने उनके घरों को पूरी तरह से तबाह कर दिया था। आपदा स्थल पर मृतकों की संख्या इतनी अधिक थी कि लोगों को अपने खोए हुए रिश्तेदारों को ढूंढने में काफी मुश्किल हो रही थी।

किसी का इंजन फेल, किसी की हुई टक्कर... 1950 लोगों की मौत, ये हैं दुनिया के 5 बड़े विमान हादसे

किसी का इंजन फेल, किसी की हुई टक्कर... 1950 लोगों की मौत, ये हैं दुनिया के 5 बड़े विमान हादसे

पटेल नगर में बारिश के बाद दर्दनाक हादसा, दिल्ली में UPSC के छात्र की करंट लगने से मौत

पटेल नगर में बारिश के बाद दर्दनाक हादसा, दिल्ली में UPSC के छात्र की करंट लगने से मौत

Rail Accident : वो 10 बड़े रेल हादसे जिनसे दहल उठा पूरा देश, सैकड़ों की गई जान

Rail Accident : वो 10 बड़े रेल हादसे जिनसे दहल उठा पूरा देश, सैकड़ों की गई जान

हताहत और क्षति

मृतक संख्या: इस हादसे में लगभग 1700 से अधिक लोग मारे गए, जिससे यह इतिहास का सबसे घातक रेल हादसा बन गया।

क्षति: ट्रेन पूरी तरह से नष्ट हो गई और चारों ओर मलबे का ढेर लग गया। आसपास के गांव भी पूरी तरह से तबाह हो गए।

राहत और बचाव कार्य

बचाव कार्य: भयानक परिस्थितियों के बावजूद, श्रीलंकाई सेना, पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। लेकिन व्यापक क्षति और बाढ़ के कारण बचाव कार्य बहुत मुश्किल हो गया।

अंतर्राष्ट्रीय सहायता: कई देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भी श्रीलंका को मदद पहुंचाई। राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए काफी सहयोग मिला।

सीरवी समाज मित्र मंडल हैदराबाद गांव गुडा सुरसिंह श्रावण सैर

हैदराबाद किसरागुटा स्थिति श्री राम लिंगेश्वर स्वामी किसरागुटा में माता जी भजन मण्डली कुकड़पली व महिला मण्डली द्वारा भजन प्रस्तुत प्रसादी का लाभ लिया आईलापुर बडेर सचिव मोहनलाल भायल, ताराराम चोयल, ढगलाराम भायल, जिडीमिटला बडेर एरिया मेंबर मगनाराम भायल,गमनाराम भायल, मोहनलाल बर्फा, गणेश भायल सोनाराम भायल, दुर्गाराम बर्फा, ताराराम भायल,उदाराम मुलेवा, गोविन्द सेपटा, चिमनाराम काग, दिनेश सैणचा, मोहनलाल बरपा , खरताराम मुलेवा ,समस्त समाज बन्धु उपस्थित रहे।

गुजरात में श्रावण मास की शुरुआत, कांवड़ यात्रा पर हुई फूलों की बारिश

गुजरात : उत्तर प्रदेश के बाद, अब गुजरात के अहमदाबाद में रविवार को ड्रोन के माध्यम से अमरनाथ धाम की कांवर यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। यह खास कार्यक्रम गुजरात में रविवार से शुरू हुए श्रावण मास के अवसर पर आयोजित किया गया है, जो 3 सितंबर तक चलेगा।

श्रावण मास की विशेषताएँ और कांवड़ यात्रा: आपको बता दें कि श्रावण मास हिन्दू पंचांग का एक महत्वपूर्ण महीना है, जिसमें भगवान शिव की पूजा विशेष रूप से की जाती है। इस दौरान, बड़ी संख्या में श्रद्धालु 'कांवड़' के साथ गंगा नदी से पवित्र जल लेकर 'शिवलिंग' पर अर्पित करने के लिए यात्रा करते हैं। इस माह के दौरान भक्त विशेष रूप से शिव की पूजा और भक्ति पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

अहमदाबाद: गुजरात में अहमदाबाद शहर में रविवार को ड्रोन के जरिए कांवर यात्रा में शामिल लोगों पर फूलों की बारिश की गई। यह एक विशेष सम्मान और श्रद्धा का प्रतीक था, जिसमें भक्तों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

उत्तर प्रदेश: इससे पहले, उत्तर प्रदेश में भी इसी तरह के कार्यक्रम हुए थे। वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग और मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, और बागपत जिलों में कांवर यात्रियों पर हेलीकॉप्टर से फूलों की वर्षा की थी।

मेरठ: मेरठ में विशेष रूप से डीएम दीपक मीणा और एसएसपी विपिन टाडा ने औघड़नाथ मंदिर, दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग, पल्लवपुरम और शिवया टोल प्लाजा पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवृष्टि की थी।

दरअसल, इस तरह की पुष्पवृष्टि और विशेष सम्मान का उद्देश्य श्रद्धालुओं की भक्ति और उनके धार्मिक यात्रा के प्रति सम्मान और समर्थन व्यक्त करना है। यह धार्मिक आयोजनों के प्रति प्रशासनिक समर्थन और श्रद्धा को दर्शाता है और श्रद्धालुओं को एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। अहमदाबाद में कांवर यात्रा पर फूलों की बारिश और उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में पुष्पवृष्टि जैसे विशेष आयोजनों के माध्यम से प्रशासन ने श्रद्धालुओं को विशेष सम्मान प्रदान किया है।

कांवड़ यात्रा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया

मल्काजगीरी /मेडचल : कुशाईगुडा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर कांवड यात्रा से शंकर भगवान के उद्घघोष , झांकीयौं, भजनों के साथ किशरगुट्टा शिवालयम के लिए प्रस्थान करेगी जहां किशरगुट्टा कल्याण मण्डपम में भगवान भोले को भजनों से रिझाने शिवभक्त राजेश जी शर्मा, मदन सिंह जी, मुरारी जी शर्मा अपनी प्रस्तुति देंगे।

आप सब सपरिवार इष्ट मित्रों सहित पधारकर भजन रसपान एवं महा प्रसादी का आनंद लें इस अवसर पर मेडचल भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता राम प्रदीप,

दामोदर शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, आनंद शर्मा, कैलाश शर्मा, दुलीचन्द शर्मा,किशोर शर्मा,विकास शर्मा,मुरारी शर्मा, गोपाल चौधरी, गुमान सिंह राजपूत,शुभम शर्मा, महिला मंडल कमला देवी शर्मा, रेखा शर्मा, ममता शर्मा, मुनि शर्मा, प्रेमलता शर्मा, किरण शर्मा, मुनि बाई, विजयलक्ष्मी शर्मा, कमला शर्मा, सुशील शर्मा, कमला ललिता शर्मा,व समस्त शिव भक्त उपस्थित रहे।

श्री आईजी गौशाला में हरियाली अमावस्या पर हरा घास खिलाते हुए गोभक्त

हैदराबाद: बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में हरियाली अमावस्या पर हरा घास खिलाते हुए अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा,सह सचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायण लाल परिहार, भगाराम मुलेवा, मोतीलाल काग, नारायण लाल आगलेचा जयराम बोईनपली,जगदीश मालविया,हिरालाल चोयल,भंवरलाल मुलेवा अर्जुन लाल बर्फा, कालुराम काग चितल, गोपाराम मुलेवा, मोहनलाल जैन तुरप बजार नाकोडा भगवती हार्डवेयर नागाराम के द्वारा पुरा इलेक्ट्रिकल वायर दिया गया है आईमाता जी भजन मण्डली बालाजी नगर भजन कलाकार अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल भायल, महिला भजन मण्डली कन्या बाई द्वारा भजन प्रस्तुत किया व गौभक्त पुण्य का लाभ लिया।

51 कलश यात्रा के साथ ही शुरू हुई सात दिवशीय श्रीमद्भागवत कथा

रमा विहार में मेघ मल्हार की फुँवार के बीच बह रही भक्ति की रसधार

परिवहन विशेष न्यूज

भीलवाड़ा। सात दिवशीय श्रीमद्भ भागवत कथा में नारद भक्ति संवाद का निरूपण करते हुये कथावाचक विष्णु महाराज ने बताया की जिस प्रकार सुबह, दोपहर और साम के बगैर दिन अधूरा होता हैं, ठीक उसी प्रकार हमारा जीवन भी भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के बैगर अधूरा हैं। जब हमारे जीवन में ये तीनो चीजे निरंतर रहेगी तभी जीव परमात्मा को प्राप्त कर सकता हैं। आजकल इस मोबाइल की दुनियां में लोगो में भक्ति तो जवान दिखती हैं पर ज्ञान और वैराग्य अचेतन अवस्था में हैं। इसीलिए आज के कलयुगी मानव का जीवन पंगु के समान हो चला हैं। नारद जैसा कोई संत सदगुरु का सानिध्य प्राप्त हो और उसके बताये पथ पर अगर लोग चले तो कलयुग के दुखों का निवारण हो सकता हैं। जैसे नारद जी ने भक्ति का दुःख निवारण करने के लिए बद्रीविशाल पूरी में सनकादिक ऋषियो के सहयोग से भागवत कथा सप्ताह का आयोजन किया था। जिससे ज्ञान वैराग्य को नया स्वरूप प्राप्त हुआ था। श्रीमद् भागवत कथा का प्रभाव इतना हैं की बद्रीविशाल पूरी में गंगा किनारे भागवत कथा का वाचन हुआ और वृंदावन जी में यमुना किनारे अचेत अवस्था में पड़े ज्ञान और वैराग्य नौ जवान हो गए और भगवान-श्री कृष्ण का कीर्तन करते हुए नाचने झूमने लगे। कितने से कितना भी बड़ा पापी क्यों ना हो भागवत कथा श्रवण करने मात्र से

उस पापी की बुद्धि भी शुद्ध हो जाती हैं और उसको सदगति प्राप्त होती हैं। आत्मदेव और धुंधली के पुत्र धुंधकारी का व्याख्यान करते हुए रमा विहार स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में रविवार को शुरू हुई सात दिवशीय भागवत कथा में बोलते हुए कथावाचक विष्णु महाराज ने बताया की कलयुग में मनुष्य का मैला मन ही धुंधकारी हैं। काम, क्रोध, लोभ, मद और मोह रूपी पाँच वैश्याओ के प्रति मन हमेशा आधीन रहता हैं। इन्ही में लिप्त रहते हुए अगर मनुष्य की मृत्यु होती हैं तो यह जीव प्रेत योनी को प्राप्त करता हैं। गौकरण जेसे संत के द्वारा भागवत कथा श्रवण करने पर प्रेत योनी से मुक्त होकर के सदगति को प्राप्त करता हैं। पर यदि जीवित अवस्था में मनुष्य भागवत कथा श्रवण करके काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह जेसे विकारो को त्याग देता हैं। तब निश्चित ही उसे भगवान की शरण प्राप्त होती हैं।

कथा के बिच में विष्णु महाराज के मुखारविंद से ₹मुक्ति का कोई तू जतन करले, रोज थोड़ा थोड़ा हरी का भजन कर ले₹ और ₹बरस बरस म्हारा इंदर राजा तू बरस्या मारो काज सरे₹ जैसे शब्दों पर भजन कीर्तन हुआ जिस पर भक्तजन भावविभोर होकर नाचने झूमने लगे और उधर मेघ मल्हार भी बरसने लगे। ऐसे में श्रावण माह की मेघ मल्हार के बीच रमा विहार नगरी भक्तिभाव से सराबौर हो उठी। रविवार से शुरू हुई कथा 10 अगस्त तक चलेगी । वही कथा दोपहर 1 बजे से साम 4 बजे तक रमा विहार स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में आयोजित की जा रही हैं।

रामकन्या त्रिपाठी ने बताया की रमा विहार स्थित रामेश्वर महादेव मन्दिर प्रांगण में दिनांक 4 अगस्त से 10 अगस्त तक सात दिवशीय श्रीमद् भागवत कथा का प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक 3 घण्टा प्रीतिबाला जौशी व उमा मित्तल के साथ ही रमा विहार की समस्त महिला मित्र मण्डली के सानिध्य में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा हैं।

रामकन्या त्रिपाठी ने बताया कि इस कथा के शुभारंभ को लेकर रविवार प्रातः 8:30 बजे सुखाड़िया सर्कल स्थित शिव मन्दिर से सजेधजे 51 कलशों से भव्य कलश यात्रा शुरू हुई जिसमें महिलाएं लाल चूंदड़ पहने बणठण कर नाचते झमुते व भजन कीर्तन करते हुए तो पुरुष धवल रंग के कुर्ते पायजामे पहने हुए भक्तिभाव से श्रीमद्भ भागवत जी की पौथी को लादूवास सरपंच मुरलीधर जौशी व रतन लाल मित्तल ने अपने सिर पर रखकर शौभायात्रा में साथ साथ चलते हुए रमा विहार स्थित रामेश्वर महादेव मन्दिर प्रांगण में कथा स्थल पर पहुँचे।

प्रितिबाला जौशी ने बताया कि इस श्रीमद् भागवत कथा का कथावाचक पण्डित विष्णु महाराज की रसमय मधुरवाणी में संगीतमय लय के साथ किया जा रहा हैं।

जौशी ने बताया कि इस कथा को लेकर महिला मित्र मण्डली बहुत ज्यादा उत्साहित हैं और इस धर्मकर्म के कार्य मे बढ़चढ़ कर सहयोग करते हुए कथा की व्यवस्था बनाये रखने में अपना योगदान भी दे रही हैं।

केदारनाथ में बचाव अभियान चौथे दिन भी जारी, 373 लोगों को लिंचोली के लिए किया गया रवाना

क्षतिग्रस्त केदारनाथ यात्रा मार्ग पर फंसे यात्रियों को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान रविवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहा। इस दौरान, 373 लोगों को केदारनाथ धाम से लिंचोली के लिए रवाना किया गया, जहां से उन्हें हवाई मार्ग से सुरक्षित स्थानों पर...

रुद्रप्रयाग: क्षतिग्रस्त केदारनाथ यात्रा मार्ग पर फंसे यात्रियों को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान रविवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहा। इस दौरान, 373 लोगों को केदारनाथ धाम से लिंचोली के लिए रवाना किया गया, जहां से उन्हें हवाई मार्ग से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा। बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि केदारनाथ से राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और अन्य बचाव दलों के साथ रवाना हुए इन 373 लोगों में श्रद्धालुओं के साथ ही स्थानीय लोग एवं मजदूर भी शामिल हैं। सिंह के अनुसार, लिंचोली से हेलीकॉप्टर के जरिए इन सभी को सुरक्षित जगहों पर ले जाया जाएगा। इसके अलावा, केदारनाथ हैलीपैड पर भी 570 यात्री हेलीकॉप्टर का इंतजार कर रहे हैं। सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन, मंदिर समिति और तीर्थ पुरोहित समाज केदारनाथ में फंसे सभी लोगों के लिए खाने के पैकेट, पानी की बोतलें और फल उपलब्ध करवा रहा है। इस बीच, रामबाड़ा चौमासी पैदल रास्ते पर फंसे 110 यात्रियों को भी निकालकर चौमासी पहुंचा दिया गया है। इस मार्ग से अब तक 534 से अधिक यात्रियों एवं स्थानीय लोगों को निकाला जा चुका है। बुधवार रात अतिवृष्टि और बादल फटने के कारण केदारनाथ पैदल मार्ग पर लिंचोली, भीमबली, घोड़ापड़ाव और रामबाड़ा सहित कई स्थानों पर मार्ग बह गया था और अन्य जगहों पर पहाड़ी से भूस्खलन और बड़े-बड़े पत्थर आने से मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे जगह-जगह पर श्रद्धालु फंस गए थे। फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकालने के लिए बृहस्पतिवार सुबह से जमीनी और हवाई मार्ग से बचाव अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में शुक्रवार से भारतीय वायु सेना के चिनूक और एमआई-17 हेलीकॉप्टर भी जुड़ हए। अभी तक करीब 10 हजार लोगों को बाहर निकाला जा चुका है। इस बीच, केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच बह गए मार्ग पर सेना की ओर से पैदल पुल का निर्माण शुरू कर दिया गया है। रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि केदारनाथ मार्ग पर जारी बचाव अभियान में अब दो खोजी कुत्तों की मदद भी ली जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023